卐 श्री सद्गुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः । आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम् ॥
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् । वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये ॥

केंद्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 107 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦बृहस्पतिवार ♦22 जनवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

आखिर दिल्ली में कौन रच रहा है साजिश?

उत्तराखंड की सत्ता पर निगाह, मुख्यमंत्री बनने की चाह में दिल्ली से चल रहा सियासी जोड़-तोड़

देहरादून। उत्तराखंड की शांत पहाड़ियों के बीच इन दिनों राजनीति में हलचल असामान्य रूप से तेज है। सरकार स्थिर है, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी काम कर रहे हैं, फिर भी बार-बार सत्ता परिवर्तन की अफवाहें उछाली जा रही हैं। सवाल स्वाभाविक है-जब राज्य में कोई राजनीतिक संकट नहीं, तो अस्थिरता का शोर क्यों? और इससे बड़ा सवाल यह कि आखिर दिल्ली में बैठकर कौन उत्तराखंड की राजनीति की बिसात बिछा रहा है? सूत्रों के मुताबिक, यह सब अचानक नहीं हो रहा। यह एक सुनियोजित प्रयास है, जिसमें कभी सोशल मीडिया को हथियार बनाया जाता है, तो कभी भाजपा के भीतर के कुछ असंतुष्ट चेहरों को आगे किया जाता है। थोड़े-थोड़े

अंतराल पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को हटाने, नया चेहरा लाने और नेतृत्व परिवर्तन जैसे जुमले उछाले जाते हैं, ताकि भ्रम का माहौल बने और सरकार को अंदर से कमजोर दिखाया जा सके। राज्य के राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि दिल्ली में बैठे कुछ जनप्रतिनिधि उत्तराखंड की कुर्सी पर अपनी निगाहें टिकाए हुए हैं। उनकी महत्वाकांक्षा सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि सत्ता केंद्रित है। इन्हीं महत्वाकांक्षाओं के चलते प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को जानबूझकर हवा दी जा रही है। कुछ जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार के खिलाफ बयानबाजी करवाई जा रही है, ताकि यह संदेश जाए कि (शेष पृष्ठ सात पर)

2022 की कहानी,जो सबक बन गई

राजनीतिक स्मृति को टटोलें तो पिछला 2022 का विधानसभा चुनाव आज भी कई सवाल छोड़ जाता है। उस चुनाव में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूरी ताकत झोंककर भाजपा को प्रदेश में जीत दिलाई। वहीं, पार्टी के भीतर ही कुछ ऐसे चेहरे थे, जिन्होंने व्यक्तिगत स्वार्थ में उन्हें चुनावी तौर पर हराने में भूमिका निभाई। वे अपने प्रयास में सफल तो हुए, लेकिन सत्ता की सीढ़ी नहीं चढ़ पाए। विडंबना यह रही कि चुनाव हारने के बावजूद धामी मुख्यमंत्री बनेऔर यहीं से कई महत्वाकांक्षाओं पर विराम लग गया।

2027 से पहले फिर वही बेचैनी

अब 2027 का विधानसभा चुनाव नजदीक आता दिख रहा है। सत्ता की भूख एक बार फिर करवट ले रही है। वही चेहरे, वही कोशिशें और वही रणनीति-सरकार के खिलाफ माहौल बनाओ, नेतृत्व पर सवाल खड़े करो और दिल्ली में दावेदारी मजबूत करो। लेकिन इस बार परिस्थितियां बदली हुई हैं।

गदरपुर के गदर में पकती सियासत!

चार दिग्गजों की मौजूदगी से उत्तराखंड भाजपा में नए समीकरणों की सुगबुगाहट

उधम सिंह नगर/गदरपुर।उत्तराखंड की राजनीति इन दिनों गरमाई हुई है। गदरपुर विधानसभा क्षेत्र अचानक प्रदेश की राजनीति का केंद्र बन गया है। जहां एक ओर विधायक अरविंद पांडे प्रशासनिक कार्रवाइयों और विवादों के चलते सुर्खियों में हैं, वहीं दूसरी ओर उनके आवास पर प्रदेश के चार बड़े चेहरों का एक साथ पहुंचना राजनीतिक हलकों में नई चर्चाओं को जन्म दे रहा है। काशीपुर के किसान सुखवंत आत्महत्या मामले में सीबीआई जांच की मांग करने के बाद अरविंद पांडे के खिलाफ प्रशासनिक शिकंजा कसता नजर आया। एक के बाद एक चार-पांच जमीन से जुड़े प्रकरण सामने आए, वहीं दो साल पुराने अतिक्रमण हटाओ नोटिस का उनके आवास पर चस्पा होना भी राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा में रहा। इन्हीं परिस्थितियों के बीच विधायक किशन सिंह चुफाल का उनके घर पहुंचना और गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, सांसद अनिल बलूनी और हरिद्वार विधायक मदन कौशिक का एक साथ गदरपुर पहुंचना सियासी तापमान को और चढ़ा रहा है। वसंत पंचमी के अवसर पर गूलरभोज में ठाकुरब्राह्मण समाज का विशेष घी-खिचड़ी भोज आयोजित किया जा रहा है, जिसकी मेजबानी खुद अरविंद पांडे कर रहे हैं। जहां हजारों की संख्या में लोग पहुंचे हुए हैं।आम तौर पर ऐसे आयोजन सामाजिक परंपरा माने जाते हैं, लेकिन इस बार बड़े नेताओं की मौजूदगी इसे विशुद्ध सामाजिक कार्यक्रम से कहीं आगे ले जा रही है। गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी,पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत और पूर्व कैबिनेट मंत्री व (शेष पृष्ठ सात पर)

सौरभ बेहड़ पर हमले की कहानी निकली फर्जी

खुद ही रची थी जानलेवा हमले की साजिश,चार गिरफ्तार

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। पूर्व मंत्री तिलकराज बेहड़ के पार्षद पुत्र सौरभ बेहड़ पर हुए कथित जानलेवा हमले के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। चार दिनों की गहन तफ्तीश के बाद यह साफ हो गया है कि सौरभ बेहड़ पर कोई दुश्मन का हमला नहीं हुआ था, बल्कि उन्होंने खुद अपने ही दोस्त की मदद से इस पूरी घटना की स्क्रिप्ट तैयार की थी। पुलिस ने इस मामले में साजिश का हिस्सा रहे मुख्य मास्टर इंदर नारंग सहित चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। विदित हो कि बीती 18 जनवरी की शाम को

आवास विकास मुख्य मार्ग पर सौरभ बेहड़ पर हमले की खबर से हड़कंप मच गया था। बताया गया था कि बाइक सवार तीन युवकों ने सौरभ की स्कूटी को लात मारकर गिरा दिया और उनके साथ मारपीट कर फरार (शेष पृष्ठ सात पर)

मेरा सिक्का ही खोटा निकला....

प्रेस कॉन्फ्रेंस में हकीकत बयां कर बेहड़ ने जीता सभी का दिल

रुद्रपुर। पार्षद सौरभ राज बेहड़ के साथ मारपीट प्रकरण को लेकर किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस उस समय बेहद भावनात्मक हो गई, जब उन्होंने अपने पुत्र के कृत्य पर सार्वजनिक रूप से पश्चाताप व्यक्त करते हुए पूरे समाज से माफी मांगी। इस दौरान उनकी आंखें भर आईं और वह बार-बार खुद को संभालने की कोशिश करते नजर आए। बेहड़ की इस प्रेस कॉन्फ्रेंस ने सभी का दिल जीत लिया प्रेस वार्ता में विधायक ने कहा कि वह किसी के गलत का समर्थन नहीं करते, भले ही वह उनका अपना बेटा ही क्यों न हो। उन्होंने समाज के सामने सिर झुकाते हुए कहा इस पूरे मामले में मेरा ही सिक्का खोटा निकला। मुझसे चूक हुई है और इसके लिए मैं दिल से माफी मांगता हूं। भावुक स्वर में उन्होंने उन्होंने इसे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते उनका कर्तव्य है कि वह निष्पक्षता और नैतिकता का उदाहरण पेश करें। विधायक (शेष पृष्ठ 7 पर)

गांव में बदमाशों का तांडव,गन प्वाइंट पर तीन घरों में लाखों की लूट

किच्छा(उद संवाददाता)। पुलभट्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरा-बरी में बीती रात नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने गन प्वाइंट पर लूट की बड़ी वारदात को अंजाम देकर क्षेत्र में सनसनी फैला दी। बेखौफ बदमाशों ने एक के बाद एक तीन घरों को निशाना बनाते हुए लाखों की नगदी, जेवरात और एक मोटर साइकिल लूट ली। बदमाशों ने आधी रात को नरेश कुमार प्रजापति के घर को मुख्य रूप से निशाना बनाया, जहां वे पीछे के रास्ते से जाली तोड़कर भीतर दाखिल हुए। गृहस्वामी नरेश ने बताया कि जिस समय

वे परिवार सहित सो रहे थे, तभी तीन नकाबपोश बदमाश कमरे में घुस आए और उन्हें गन प्वाइंट पर ले लिया। बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देकर घर के सारे बक्से और अलमारियां खुलवाईं। डरे-सहमे परिवार के सामने ही बदमाशों ने घर को खंगाल डाला और करीब 87 हजार रुपये नगद व लगभग 6 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर लूट लिए। वारदात के बाद जाते-जाते बदमाश नरेश के पुत्र को भी अपने साथ बंधक बनाकर कुछ दूर तक ले गए और परिवार के सदस्यों को बाहर से कमरों में बंद कर दिया। नरेश ने किसी तरह खिड़की की जाली तोड़कर बाहर निकलकर शोर मचाया और अपने भाइयों व पिता को जगाया, जिसके बाद उनका पुत्र कुछ दूरी पर सुरक्षित खड़ा मिला। वारदात (शेष पृष्ठ सात पर)

अचानक तबियत बिगड़ने से पीएसी के एएसआई की मौत

रुद्रपुर। बगवाड़ा पुलिस चौकी क्षेत्र के कौशल्या एनक्लेव में रह रहे 31वीं पीएसी के एएसआई पुष्कर सिंह चौधरी की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। मूल रूप से ग्राम बिसराड़ी, चंपावत निवासी पुष्कर सिंह चौधरी 31वीं पीएसी में एडिशनल प्लाटून कमांडर के पद पर कार्यरत थे।बुधवार को अचानक तबीयत खराब होने पर परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित करदिया।घटना की सूचना मिलते ही बगवाड़ा चौकी से उपनिरीक्षक मोहन चंद जोशी अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मामले की जानकारी ली। एसएस आई केसी आर्या ने बताया कि सिडकुल पुलिस के माध्यम से विभाग को सूचना प्राप्त हुई थी, जिसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अचानक हुई इस घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है ताकि मृत्यु के स्पष्ट कारणों का पता चल सके।

गीता प्रेस ने 103 वर्षों से सनातन धर्म की लौ को दी ताकत : अमित शाह

गृहमंत्री शाह और सीएम धामी ने किया कल्याण पत्रिका के शताब्दी अंक का विमोचन

ऋषिकेश। ऋषिकेश में आज गीता प्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने संतगणों की उपस्थिति में मासिक पत्रिका 'कल्याण' के शताब्दी अंक व अरोग्यांक (गुजराती संस्करण) का विमोचन किया। कार्यक्रम में गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कल्याण पत्रिका की संपूर्ण यात्रा पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि कल्याण पत्रिका ने केवल ध र्म का प्रसार ही नहीं किया बल्कि राष्ट्र, संस्कृति और चरित्र निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त किया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आधुनिक भारत तक इस पत्रिका ने सदैव सनातन विचारधारा की आवाज को जीवित रखा। यह पत्रिका समय के साथ बदली नहीं, बल्कि समय को दिशा देती रही। उन्होंने कहा कि गीता प्रेस, गोरखपुर न केवल एक प्रकाशन संस्था है, बल्कि भारतीय हिंदू धार्मिक साहित्य के प्रसार का एक सामाजिक, सांस्कृतिक स्तम्भ है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारतीय संस्कृति के व्यापक प्रचार प्रसार में गीता प्रेस ने असाधारण योगदान दिया है। इस दौरान गढ़वाल सांसद श्री अनिल बलूनी, कैबिनेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल, डॉ धन सिंह रावत, विधायक श्री उमेश शर्मा काऊ, श्रीमती रेनू बिष्ट समेत अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे। गीता प्रेस द्वारा प्रकाशित सुप्रसिद्ध पत्रिका कल्याण के शताब्दी समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बड़ा सांस्कृतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कल्याण ने केवल पन्ने नहीं रचे, बल्कि भारत की आत्मा को छापा है। शाह के अनुसार, जब-जब देश पर संकट आया, इस पत्रिका ने भारतीय संस्कृति के दीप को प्रज्ज्वलित रखा और यह सिद्ध किया कि सनातन की रक्षा शोर से नहीं, बल्कि शास्त्र और तर्क की शक्ति से संभव है। बुधवार को स्वर्गाश्रम स्थित गीता भवन में शताब्दी महोत्सव आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कल्याण ने हमें सिखाया कि सभ्यताएं तलवार से नहीं शब्द और ज्ञान से खड़ी होती हैं और शब्द तभी प्रभावी होते हैं जब उनमें सत्य और सत्व का तेज हो। गीता प्रेस ने 103 वर्षों से सनातन धर्म की लौ को ताकत देने का काम किया है। उन्होंने करोड़ों लोगों को भक्ति के माध्यम से आध्यात्म की ओर प्रेरित किया और अध्यात्म के रास्ते पर आगे चलते-चलते मोक्ष तक का रास्ता प्रशस्त करने का मार्ग बताया।

गीता प्रेस ने सनातन संस्कृति को हर व्यक्ति के हृदय में अटूट श्रद्धा निर्मित करने का कार्य किया है। अमित शाह ने कहा कि गीता प्रेस मुनाफे के लिए नहीं बल्कि पीढिघ्यों के निर्माण करने के लिए चलती है। अपने तरीके से सद साहित्य को करोड़ों लोगों तक पहुंचाने का कार्य गीता प्रेस ने किया है। कल्याण एक प्रकार से ज्ञान की सनातन ज्योति को हर वाचक तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।उन्होंने कहा कि कल्याण ने हर संकट में भारतीय संस्कृति के दीप को जलाकर रखने का कार्य किया है। कल्याण एक पत्रिका मात्र नहीं है बल्कि भारतीयों के लिए आध्यात्मिक जगत का पथ प्रदर्शक है। भारत की संस्कृति को अमर करने के लिए काफी प्रयास चल रहे है, जिसमें सबसे मजबूत प्रयास का नाम कल्याण पत्रिका है। कल्याण ने 100 साल में सनातन धर्म के अनुयायियों की सज्जन शक्ति को संगठित करने का कार्य किया है। अमित शाह ने कहा कि गीता प्रेस ने कभी भी अपने महिमा मंडन व प्रचार के लिए कुछ नहीं किया।अमित शाह ने कहा कि आजादी के बाद हिंदू संस्कृति पर उस समय अंक प्रकाशित किया जब जवाहर लाल नेहरू के समय में पाश्चात्य असर से हमारे देश की नीतियां गढ़ी जा रही थी। 1950 में देश में शिक्षा, विदेश, व्यापार नीति पश्चिम के प्रभावों से बन रही थी, उस वक्त कल्याण ने चुपचाप कुछ करे बगैर हिंदू संस्कृति अंक प्रकाशित किया। इसमें हिंदू धर्म दर्शन, हिंदू आचार विचार, रीति रिवाज, पर्व उत्सव, कला संस्कृति को भारत की जनता के सामने रखने का काम कल्याण ने किया। आक्रामक भाषा के प्रयोग किए बिना कल्याण नामक ज्ञान का दीप जलाया। गीता प्रेस ने अनेक साहित्यों की रचना की और इसके कारण राष्ट्र में एक चेतना जागृत हुई। लोगों में सनातन धर्म के प्रति आकर्षण, आशा और भारतीय संस्कृति में विश्वास फिर से एक बार दृढ़ होता देख रहे हैं।गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज मैं यहां आया, सत्संग की भूमि पर पहुंचा, भगवान लक्ष्मी-नारायण के दर्शन किए, मां गंगा की पूजा की और संतों की उपस्थिति में कल्याण के शताब्दी समारोह को देखा। यह आयोजन भी कल्याण की तरह ही सात्विक, शुद्ध और प्रेरणादायी है। यह केवल उत्सव नहीं है, यह एक तपस्वी परंपरा का सौ वर्ष का साक्ष्य है।अमित शाह ने कहा कि जब कल्याण शुरू हुआ था तब महात्मा गांधी ने कहा था कि कल्याण में कभी विज्ञापन मत छापना। और जब कार्यक्रम में लिए मुझे आमंत्रण देने आए तो मैंने पूछा कि विज्ञापन छापने की जरूरत पड़ी है क्या तो उन्होंने कहा कि 100वां अंक है लेकिन एक भी विज्ञापन नहीं छापा है। महात्मा गांधी ने कल्याण के कर्ताधर्ताओं को कहा था कि विज्ञापन मत छापना। आध्यात्मिक पत्रिकाओं व ग्रंथों को बाजार के दबाव से मुक्त रहना चाहिए। उस सलाह को आज तक कल्याण निरंतर पालन करता आया है और शायद यह देश और विदेश की शून्य विज्ञापन वाली पहली पत्रिका होगी। गीता प्रेस का उद्देश्य पुस्तकों की बिक्री नहीं है, हमारा उद्देश्य चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण है। अमित शाह ने कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से हनुमान प्रसाद पोद्दार का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। इन्होंने सबकुछ छोड़कर अपना जीवन गीता प्रेस को समर्पित किया। शायद ही कोई मुद्रण करने वाली संस्था होगी जिसने हस्तप्रद से लेकर चार कलर में छपने वाली लीथाी प्रेस की यात्रा की हो। कहा कि संस्था को बनाए रखिए, जरूर कोई दूसरा 200वां अंक प्रकाशित करने आएगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गीता भवन नंबर एक परिसर के मंदिर में पूजा अर्चना की और गंगा घाट पर गंगा में पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की।

जमरानी और सौंग बांध परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में सिंचाई विभाग की निर्माणाधीन जमरानी और सौंग बांध परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने दोनों महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को इन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि परियोजनाओं से संबंधित निविदा और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को समय पर पूरा किया जाए। उन्होंने विभाग को पूरी परियोजना का फ्लो चार्ट तैयार करने और हर चरण के कार्य को तय वक्त पर संपन्न कराने के लिए निर्देशित किया। निर्माण कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से उन्होंने आवश्यक सामग्री की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए फर्स्ट पार्टी,

सेकंड पार्टी और थर्ड पार्टी क्वालिटी कंट्रोल एवं नियमित मूल्यांकन के भी निर्देश दिए। परियोजनाओं से प्रभावित होने वाले लोगों के विषय में मुख्य सचिव ने कहा कि उनके पुनर्वास का कार्य तत्परता और समयबद्धता के साथ किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावितों को मुआवजा, पुनर्वास और भूमि आवंटन का कार्य आपसी तालमेल और उन्हें विश्वास में लेकर किया जाए, जिसके लिए लगातार संवाद जारी रखना अनिवार्य है। बैठक के दौरान सचिव सिंचाई युगल किशोर पंत ने अवगत कराया कि जमरानी बांध बहुद्देशीय परियोजना की कुल लागत 3678.23 करोड़ रुपये है और इसे जून 2029 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, सौंग बांध परियोजना के विषय में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यह 130.60 मीटर ऊंची और 150 एमएलडी क्षमता की गुरुत्व आधारित पेयजल परियोजना है, जिसकी लागत 2524.42 करोड़ रुपयेहै। इस परियोजना का निर्माण कार्य नवंबर 2029 तक पूरा कर लिया जाएगा। बैठक में विभागाध्यक्ष सिंचाई सुभाष चंद्र सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

उर्मिला सनावर का मोबाइल जांच के लिए चंडीगढ़ भेजा

हरिद्वार(उद संवाददाता)। अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में ऑडियो वायरल करने वाली अभिनेत्री उर्मिला सनावर का मोबाइल फोन जांच के लिए चंडीगढ़ स्थित सेंट्रल फोरेंसिक लैब भेज दिया गया है। साथ ही वॉयस सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। अब एसआईटी ने आगे की जांच शुरू कर दी है। पिछले दिनों पूर्व विधायक सुरेश राठौर और अभिनेत्री उर्मिला सनावर की बातचीत की ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। इसमें वीआईपी का जिक्र हुआ था। इसके बाद प्रदेश में हलचल तेज हो गई थी। इस मामले में बहादराबाद, झबरेड़ा थाने के अलावा देहरादून में प्राथमिकी दर्ज की गई थी और एसआईटी का गठन कर दिया गया था। पिछले दिनों उर्मिला ने एसआईटी के सामने पेश होकर बयान दर्ज कराए थे। अगले दिन सुरेश राठौर से भी पूछताछ हुई थी। बीते सप्ताह उर्मिला सनावर ने कोर्ट पहुंचकर अपना मोबाइल फोन जमा करा दिया था और वॉयस सैंपल भी लिए गए थे। पूर्व विधायक ने भी कोर्ट में पेश होकर वॉयस सैंपल दिए थे। अब एसआईटी ने जांच के लिए मोबाइल फोन चंडीगढ़ स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला में भेज दिया है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल का कहना है कि मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

वरिष्ठ नागरिकों के राष्ट्रीय सम्मेलन में जुटे देशभर के प्रतिनिधि

हरिद्वार (उद संवाददाता)। वरिष्ठ नागरिकों की संस्था शहजार होम्स की ओर से सिडकुल स्थित एक होटल में एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों के लगभग 160 वरिष्ठ नागरिकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्घाटन दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, हेल्पेज के वैश्विक राजदूत मैथ्यू चेरियन, बीएचईएल के पूर्व निदेशक एमके मित्तल और सीनियर केयर फाउंडेशन की अध्यक्ष मालती जसवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।मुख्य अतिथि प्रो. सुरेखा डंगवाल ने अपने संबोधन में कहा कि वरिष्ठ नागरिक इतिहास के वह कालखंड हैं, जिन पर आने वाली पीढ़ियां टिकी होती हैं। उन्होंने जोर दिया कि वरिष्ठ नागरिकों को स्वयं को किसी पर निर्भर मानने के बजाय सहयोगात्मक व्यक्तित्व का धनी बनना चाहिए, ताकि वे परिवार और समाज के विकास में अपना अधिकतम योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि बढ़ती उम्र की समस्याओं का समाधान आपसी

सामंजस्य और सामाजिक सरोकारों से जुड़कर ही संभव है। संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने शहजार होम्स को एक ऐसा मंच बताया जहां वरिष्ठ जन अपने सुख-दुख साझा कर एक नई ऊर्जा प्राप्त करते हैं।सम्मेलन के दौरान एमके मित्तल को 'शहजार होम्स विशिष्ट सेवा सहयोग सम्मान' और राहुल अरोड़ा को 'उत्कृष्ट संगीत शिक्षक अवार्ड' से नवाजा गया। कार्यक्रम में समाजसेवी विचारक मैथ्यू चेरियन ने बेहतर खानपान, नियमित व्यायाम और सामाजिक सक्रियता के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, एमके मित्तल और मालती जसवाल ने बढ़ती उम्र के लोगों की देखभाल को सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में लेने का आह्वान किया। डा. इंदु सुभाष ने वरिष्ठ नागरिकों के कानूनी अधिकारों की जानकारी दी, जबकि पुणे से आई नैंसी कौल ने संस्था की गतिविधियों के बारे में बताया। बीएचईएल हरिद्वार से सेवानिवृत्त और संस्था के सहनिदेशक सर्वेश गुप्ता ने 'डे केयर में कुछ भी बोलिए' कार्यक्रम की जानकारी दी, जो विशेष रूप से बुजुर्गों का अकेलापन दूर करने के लिए साप्ताहिक स्तर पर आयोजित किया जाता है। सम्मेलन का समापन सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ, जिसमें प्रयागराज से आए पूर्व सीएमओ डा. पीके सिन्हा के पुराने फिल्मी गीतों पर वरिष्ठ जन जमकर थिरके। कार्यक्रम में अग्रवाल, बीएस श्रीधर, रविंद्र खन्ना, एसके ग्रोवर, आरके अनेजा, विनय गोयल, पी ध स्माना और मनजीत शर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे। अंत में रुड़की से आई वीणा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

पंत विवि की छात्रा जिज्ञासा राहल का आयरलैंड के यूसीडी में चयन

पंतनगर (उद संवाददाता)। पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के समुदाय विज्ञान महाविद्यालय की पीएचडी छात्रा जिज्ञासा राहल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। खाद्य एवं पोषण विभाग की छात्रा जिज्ञासा का चयन आयरलैंड स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन (यूसीडी) के इंस्टीट्यूट ऑफ फूड एंड हेल्थ की रिसर्चर बर्सरी 2026 के लिए हुआ है। यह चार सप्ताह का विशेष शोध कार्य प्रोफेसर आइलीन गिब्ने और डा. अर्चना कुशवाहा के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। इस बर्सरी की खास बात यह है कि छात्रा को शोध के लिए पूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक गतिशीलता को बल मिलेगा। जिज्ञासा की आयरलैंड यात्रा और संस्थान में शोध का पूरा खर्च इस बर्सरी के माध्यम से वहन किया जाएगा।छात्रा की इस सफलता में समुदाय

विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल और अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशक डा. एचजे शिवा प्रसाद का विशेष मार्गदर्शन रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनमोहन सिंह चौहान ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण बताया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रयासों से छात्रों को लगातार वैश्विक अवसर प्राप्त हो रहे हैं। खाद्य विज्ञान एवं पोषण अनुसंधान के क्षेत्र में यह चयन विश्वविद्यालय की निरंतर प्रगति और अंतरराष्ट्रीय पहचान को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

मानचित्र स्वीकृति प्रणाली को और अधिक सरल बनायें

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रदेश में आवास एवं नगर विकास से जुड़ी योजनाओं को गति देने के उद्देश्य से आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने पदभार ग्रहण करने के बाद मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की पहली समीक्षा बैठक ली। इस दौरान सचिव ने प्राधिकरण की गतिमान परियोजनाओं को समयबद्धता और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।सचिवालय स्थित अपने कक्ष में आयोजित इस बैठक में उन्होंने प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं, निर्माणाधीन परियोजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।समीक्षा बैठक में प्राधिकरण की सभी गतिमान परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें पार्किंग निर्माण, पार्कों का विकास, आवासीय योजनाएं, बाजार पुनर्विकास और अन्य शहरी विकास से जुड़े कार्य शामिल रहे। आवास सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को तय समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए और निर्माण गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।समीक्षा बैठक में मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानचित्र स्वीकृति प्रणाली को और अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए, ताकि आम नागरिकों और निवेशकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तेज और सुगम प्रक्रिया से शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा और अवैध निर्माण की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगेगा।आवास सचिव ने यह भी कहा कि वे स्वयं सभी महत्वपूर्ण और निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। बैठक में प्राधिकरण की ऋषिकेश, देहरादून तहसील क्षेत्र, आढ़त बाजार और इंदिरा मार्केट से जुड़ी परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई। आवास सचिव ने इन सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। आवास सचिव ने प्राधिकरण द्वारा विकसित और संचालित पार्कों के रखरखाव पर भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने निर्देश दिए कि पार्कों में गंदगी फैलाने या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर पेनल्टी की प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए।डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि आवास विभाग सभी विकास प्राधिकरणों के साथ समन्वय बनाकर काम करेगा। प्राधिकरण स्तर पर शासन में लंबित महत्वपूर्ण योजनाओं को प्राथमिकता पर निस्तारित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सभी विकास प्राधिकरणों के साथ माहवार समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। प्रदेश के कई शहरों के मास्टर प्लान लंबे समय से लंबित हैं, जिन्हें समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाएगी। साथ ही लैंड पूलिंग नीति के तहत लैंड बैंक बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि सरकारी आवासीय योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। बैठक में प्राधिकरण सचिव श्री मोहन सिंह बर्निया, वित्त नियंत्रक श्री संजीव कुमार, अधिशासी अभियंता श्री सुनील कुमार, सहायक अभियंता श्री अजय मलिक, सहायक अभियंता श्री सुनील गुप्ता, लेखपाल श्री नजीर अहमद तथा वास्तुविद दृष्टि जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एआई की सहायता के साथ 23 भाषाओं में उपलब्ध यूसीसी सेवाएं

देहरादून। उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की सेवाएं, अंग्रेजी के अलावा भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं में उपलब्ध हैं। साथ ही आवेदक एआई की सहायता से भी यूसीसी की प्रक्रिया को समझने के साथ ही अपना पंजीकरण करवा सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समान नागरिक संहिता लागू करने से पहले ही अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि, यूसीसी के तहत विभिन्न सेवाओं के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया को बेहद सरल रखा जाए, साथ ही वेबसाइट को यूजर फ्रेंडली रखा जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति स्वयं ही अपना पंजीकरण करवा सके। इसी क्रम में आईटीडीए ने यूसीसी की वेबसाइट को आठवीं अनुसूची में शामिल 22 अनुसूचित भाषाओं ख्र असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, तमिल, तेलुगु, उर्दू, सिंधी, बोडो, डोगरी, मैथिली, संथाली और मणिपुरी के साथ अंग्रेजी में तैयार किया है। इस तरह आवेदक अपनी भाषा के अनुसार ना सिर्फ यूसीसी के नियम, प्रक्रिया और पंजीकरण के लिए जरूरी दस्तावेजों की जानकारी ले सकता है, बल्कि अपनी भाषा मेंही आवेदन भी कर सकता है। इस काम मेंएआई की भी मदद ली जा सकती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारी सरकार पहले ही दिन से सरलीकरण से समाधान तक के मूलमंत्र लेकर चल रही है। समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि जनसामान्य को पंजीकरण में किसी तरह की मुश्किल न आए। यूसीसी तकनीकी उत्कृष्टता का एक सफल उदाहरण बनकर उभरी है। यही कारण है कि बीते एक साल में यूसीसी प्रक्रिया को लेकर एक भी शिकायत नहीं आई है।

मौसम खराब होने पर अधिक सतर्कता बरतने के दिए निर्देश

देहरादून। मौसम विभाग ने 23 जनवरी को प्रदेश में बारिश व बर्फबारी होने की चेतावनी जारी की है। इसके मद्देनजर शासन ने सभी कार्यदायी एजेंसियों को एलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए हैं। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने सभी जिला आपदा प्रबंधन अधिकारियों व संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। कहा कि मौसम खराब होने पर अधिक सतर्कता बरती जाए। विशेष रूप से पुलिस, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, विद्युत, पेयजल, पशुपालन व नगर निकाय आवश्यक तैयारी रखें।गर्भवती महिलाओं व नवजात शिशुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत संवेदनशील, दूरस्थ और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में सुरक्षित प्रसव के लिए पूर्व से ही सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। बर्फबारी के कारण मार्ग अवरुद्ध होने की आशंका को देखते हुए संवेदनशील व उच्च हिमालयी मार्गों पर जेसीबी, स्नो कटर एवं अन्य आवश्यक मशीनरी की अग्रिम तैनाती सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में संवेदनशील सड़कों, पुलों एवं पैदल मार्गों की पहचान कर वहां अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें।

उत्तराखंड का बजट सत्र 2026 गैरसैंण में आहूत होगा

देहरादून। उत्तराखंड में इस वक्त बजट सत्र 2026 की तैयारियां चल रही हैं। हालांकि सरकार ने अभी तक बजट सत्र की तारीख का ऐलान नहीं किया है, लेकिन बजट सत्र कहां पर होगा, उसकी जानकारी दे दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साफ किया है कि उत्तराखंड बजट सत्र ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में आहूत किया जाएगा।बजट सत्र को लेकर मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को अधिकृत किया था। ऐसे में राज्य सरकार ने आगामी विधानसभा बजट सत्र को गैरसैंण स्थित भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में कराने का निर्णय लिया है। हालांकि, अभी विधानसभा बजट सत्र के तिथियों का ऐलान नहीं हुआ, लेकिन जगह तय हो गई है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि पिछले साल भी उन्होंने बजट सत्र गैरसैंण में ही प्रस्तावित किया था, लेकिन उस समय भराड़ीसैंण विधानसभा के अंदर मेंटेनेंस का काम चल रहा था, इसीलिए मजबूरी हो गई है और वहां सत्र आहूत नहीं हो पाया। बाद में विधानसभा अध्यक्ष में भी स्थिति स्पष्ट की थी। लेकिन इस बार सरकार पहले ही तैयारी है कि उत्तराखंड का बजट सत्र भराड़ीसैंण विधानसभा में आहूत किया जाएगा।इसके अलावा वित्त सचिव दिलीप जावलकर ने कहा कि वित्त विभाग की ओर से एक महीना पहले ही सभी विभागों को सूचना दे दी गई थी कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपनी मांगों की सूचना ऑनलाइन वित्त विभाग को उपलब्ध करा दें। ऐसे में सभी विभागों की ओर से वित्त विभाग की पोर्टल पर सूचनाओं उपलब्ध करा दी गई है। साथ ही अब पोर्टल को बंद कर दिया गया है। वर्तमान समय में विभागों की ओर से प्राप्त मांगों की सूचनाओं का परीक्षण हो चुका है। सभी विभागों के साथ एक-एक करके बजट संबंधी चर्चाएं चल रही है। विभागों के साथ बजट संबंधित चर्चाएं इसलिए जरूरी होती हैं ताकि विभाग की प्राथमिकताओं को समझते हुए बजट को समाहित किया जाए। साथ ही बताया कि विभागों के साथ एक-एक कर बजट पर होने वाले चर्चा का कार्यक्रम करीब एक महीना तक चलेगा। साथ ही बताया कि एक फरवरी को भारत सरकार के स्तर से आम बजट पेश किया जाना है। ऐसे में भारत सरकार की ओर से पेश होने वाला बजट राज्य के लिए भी खास होता है। यही वजह है कि राज्य में विधानसभा बजट सत्र से पहले आम बजट का अध्ययन किया जाता है। उसी आधार पर राज्य में बजट को फाइनल शेप दिया जाता है। ऐसे में बजट का स्वरूप फाइनल होने के बाद मंत्रिमंडल के सम्मुख रखा जाएगा।

चीनी मिल यार्ड में गन्ना उतारने को लेकर हंगामा, क्रेन ऑपरेटर पर मारपीट का आरोप

किच्छा (उद संवाददाता)। किच्छा शुगर कंपनी के यार्ड में बुधवार को गन्ना उतारने के विवाद ने तूल पकड़ लिया, जिसके बाद किसानों और मिल कर्मियों के बीच जमकर हंगामा हुआ। गन्ना लेकर पहुंचे दो सगे भाइयों ने क्रेन ऑपरेटर और उसके साथियों पर गाली-गलौज व मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस को मौके पर बुलाना पड़ा, वहीं मिल प्रबंधन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच कमेटी गठित कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम गिद्धपुरी निवासी करन पुत्र गिरधारी लाल अपने भाई अजय के साथ दो ट्रॉलियों में गन्ना लेकर मिल यार्ड पहुंचे थे। करन का आरोप है कि जब उन्होंने क्रेन ऑपरेटर से गन्ना उतारने का अनुरोध किया, तो वह अचानक आपा खो बैठा और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए नीचे उतर आया। जब अजय उसे शिकायत के लिए उच्चाधिकारियों के पास ले जाने लगे, तो आरोपी क्रेन ऑपरेटर और अधिक भड़क गया। आरोप है कि उसने अपने अन्य साथियों को बुलाकर दोनों भाइयों के साथ मारपीट

शुरू कर दी। हंगामे की सूचना मिलते ही पीड़ित किसानों के परिजन और अन्य ग्रामीण भी चीनी मिल के प्रशासनिक भवन पहुंच गए, जिससे वहां काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा।सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया और मिल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर घटना की सत्यता की जांच शुरू कर दी है। दूसरी ओर, किच्छा शुगर कंपनी के अधिशासी निदेशक एपी बाजपेयी ने बताया कि यार्ड में हुए विवाद की पूरी सच्चाई जानने के लिए एक जांच कमेटी गठित कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के विरुद्ध सख्त प्रशासनिक और कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। फिलहाल पुलिस और मिल प्रशासन दोनों ही स्तर पर मामले की छानबीन जारी है।

सार्वजनिक सूचना

सूचित किया जाता है कि श्री कुसुम यादव पत्नी श्री सुभाष यादव पुत्री श्री वासदेव यादव निवासी- ट्रांजिट कैम्प, रुद्रपुर, तहसील- रुद्रपुर, जिला- ऊधम सिंह नगर (उत्तराखंड) की निवासी हूँ, जिसका खसरा नं0. 255 मिन रकबा 116.17 वर्गमीटर में ग्राम- फुलसुंगी (वार्ड नं0 01), तहसील-रुद्रपुर, जिला- ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड में स्थित है। उक्त सम्पत्ति की पूर्व की रजिस्ट्री दिनांक 05-03-2011 को क्रमांक 1780 सब-रजिस्ट्रार कार्यालय किच्छा जिला ऊधम सिंह नगर में पंजीकृत है। उक्त पूर्व रजिस्ट्री कही गुम हो गयी है, जिसके मिलने पर कृपया निम्न पते पर सूचित करे। उपरोक्त रजिस्ट्री का उपयोग किसी व्यक्ति, अन्य बैंक तथा वित्तीय संस्थाओं के द्वारा पूर्णतया अवैध माना जायेगा। यदि किसी बैंक/ संस्था/व्यक्ति आदि को आपत्ति हो या उक्त बैनामा किसी को मिले तो वह 7 दिन के अंदर जसपाल सिंह एडवोकेट,मोबाइल नंबर 98373 17775 पर संपर्क करें ।

-कुसुम यादव पत्नी श्री सुभाष यादव पुत्री श्री वासदेव यादव
निवासी- ट्रांजिट कैम्प, रुद्रपुर, तहसील- रुद्रपुर, जिला- ऊधम सिंह नगर
(उत्तराखंड) मोबाईल नं 9548652161

विद्यार्थियों को जागरूक किया

सितारगंज ।राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान के तहत वरिष्ठ उप निरीक्षक ने राजकीय इंटर कॉलेज में पहुंचकर विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। वरिष्ठ उप निरीक्षक ने विद्यार्थियों को बताया कि सड़क में यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने नाबालिग बच्चों को बाइक नहीं चलाने की हिदायत दी। इसके साथ ही बाइक में हेलमेट के प्रयोग के प्रति जागरूक किया।

किच्छा ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री का खुलासा, तीन शातिर गिरफ्तार

नई बाइक के लालच में मफलर से घोंटा था गला

किच्छा (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के अपराधियों के विरुद्ध सख्त रुख के चलते कोतवाली किच्छा पुलिस ने 11 जनवरी को हुई सनसनीखेज 'ब्लाइंड मर्डर' की गुत्थी सुलझाते हुए दो शातिर हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया है। दोस्ती का ढोंग कर लूट की साजिश रचने और फिर निर्मम हत्या करने वाले इन आरोपियों के पास से पुलिस ने आला-ए-कत्ल मफलर, लूटी गई बाइक और मोबाइल बरामद किया है। भोजीपुरा से किच्छा के बीच बुना गया मौत का जाल मामले का विवरण देते हुए पुलिस ने बताया कि 11 जनवरी को किच्छा क्षेत्र में एक अज्ञात युवक का शव मिला था, जिसकी शिनाख्त दिनेश कुमार पुत्र रूपलाल, निवासी बरेली (यूपी) के रूप मेंहुई। परिजनों के अनुसार दिनेश 9 जनवरी को अपनी बहन को रेलवे स्टेशन छोड़कर

रुद्रपुर के लिए निकला था, लेकिन घर नहीं लौटा। एसएसपी के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने जब भोजीपुरा से किच्छा तक के करीब 300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तो दिनेश अपनी बाइक पर दो अनजान युवकों के साथ दिखाई दिया। इसी सुराग के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर बरेली निवासी विजय पाल और रामपुर निवासी दीपक मौर्या को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि भोजीपुरा रेलवे स्टेशन के पास एक शराब की दुकान पर उनकी मुलाकात दिनेश से हुई थी। दिनेश की नई एचएफ डीलक्स (भ्ध क्मसनगम) मोटरसाइकिल देखकर उनके मन में लालच आ गया। उन्होंने दिनेश से दोस्ती का नाटक किया और साथ चलने को तैयार कर लिया। रास्ते में उन्होंने दिनेश को अत्यधिक शराब पिलाई और फिर एक सुनसान स्थान पर ले जाकर विवाद किया। मौका पाते ही दोनों ने मफलर से गला घोंटकर दिनेश को मौत के घाट उतार दिया और शव फेंककर उसकी बाइक व मोबाइल लेकर फरार हो गए। पहचान छुपाने के लिए उन्होंने बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई और उसे हल्द्वानी के राजपुरा क्षेत्र में मात्र 20 हजार रुपये में बेच दिया। पुलिस ने अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मफलर, मृतक का टूटा मोबाइल और फर्जी नंबर प्लेट लगी मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने इस सफल अनावरण के लिए प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह दानू, उपनिरीक्षक जयप्रकाश चंद्र, पवन जोशी और एसओजी व सर्विलांस टीम की पीठ थपथपाई है। आरोपियों के खिलाफ हत्या की धारा के साथ लूट और साक्ष्य मिटाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है।

बहुउद्देशीय शिविर में सैकड़ों लोगों की समस्याएं सुनी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 'जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार' कार्यक्रम के तहत बुधवार को ज्योलीकोट रामलीला मैदान में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। नवागंतुक मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पाण्डे ने शिविर में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। शिविर में कुल 221 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स के माध्यम से सैकड़ों ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पाण्डे ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि आम जनता की समस्याओं का समाधान कार्यालय स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए, ताकि पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों को जिला मुख्यालय के चक्कर न काटने पड़ें। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना सभी अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। शिविर में स्थानीय लोगों द्वारा आधार कार्ड केंद्रों की मांग पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने जिला विकास अधिकारी को महीने में एक दिन विशेष कैंप लगाने के निर्देश दिए।शिविर में सड़ियाताल के निवासियों ने बाहरी व्यक्तियों द्वारा भूमि क्रय कर मूलभूत सुविधाओं जैसे सड़क और पेयजल स्रोतों पर कब्जा करने की शिकायत की, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने राजस्व विभाग को पैमाइश कर समस्या के समाधान के आदेश दिए। वहीं, जल जीवन मिशन के तहत बिछी पाइपलाइनों में पानी न आने की शिकायत पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर आपूर्ति सुचारू करने की चेतावनी दी। शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग ने 142 लोगों का परीक्षण कर दवाइयां वितरित कीं। समाज कल्याण विभाग ने 40 लाभार्थियों को विभिन्न पेंशन योजनाओं के आवेदन दिए, जबकि बाल विकास विभाग द्वारा 10 महिलाओं को महालक्ष्मी किट प्रदान की गई। कृषि विभाग ने बीज और यंत्र वितरित किए, साथ ही बिजली और जल संस्थान के बिलों में संशोधन और राशन कार्डों को ऑनलाइन करने का कार्य भी मौके पर किया गया। इस अवसर पर दर्जा मंत्री शांति मेहरा, नवीन वर्मा, ब्लॉक प्रमुख भीमताल हरीश बिष्ट, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवकी बिष्ट, ज्येष्ठ उप प्रमुख उमेश पलडिया, जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी गोस्वामी, ग्राम प्रधान बबीता मनराल सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। ***कोटाबाग-*** सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे आम जनता तक पहुंचाने के लिए विकासखंड कोटाबाग की न्याय पंचायत अमगढ़ी के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम के तहत बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। विधायक सरिता आर्य की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर के माध्यम से प्रशासन को सीधे जनता से जोड़ते हुए समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष बल दिया गया, जिसकी स्थानीय ग्रामीणों ने सराहना की।शिविर में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा स्टाल लगाए गए, जिनमें ग्राम्य विकास, पंचायती राज, पेयजल एवं जल जीवन मिशन, लोक निर्माण विभाग, समाज कल्याण, कृषि, वन, राजस्व, लघु सिंचाई, उरेडा, खाद्य आपूर्ति और उद्यान विभाग शामिल रहे। इन स्टालों के माध्यम से किसानों और अन्य ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं से रूबरू कराया गया और पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया। शिविर के दौरान कुल 75 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।आयोजन में लगभग 331 नागरिकों ने विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ उठाया। विभागीय अधिकारियों ने उपस्थित रहकर जनता को बताया कि वे किस प्रकार सरकारी सुविधाओं का उपयोग कर अपने जीवन स्तर में सुधार ला सकते हैं। इस अवसर पर दर्जा मंत्री दिनेश आर्या, उपजिलाधिकारी नवाजिश खालिक, जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और बड़ी संख्या में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व ग्रामीण उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को बांटी गर्म रजाइयां

दिनेशपुर (उद संवाददाता)। क्षेत्र के प्रसिद्ध समाजसेवी लाल मोहम्मद, जिन्हें लोग प्यार से लाल बादशाह के नाम से जानते हैं, एक बार फिर गरीबों और बेसहारा लोगों की मदद के लिए आगे आए हैं। मौसम की परवाह किए बिना समाज सेवा में जुटे रहने वाले लाल बादशाह ने दिनेशपुर के रामबाग गांव में एक भव्य रजाई वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उनके द्वारा 250 से अधिक जरूरतमंद पात्रों, दिव्यांगों और विधवा महिलाओं को गर्म रजाइयां वितरित की गईं। लाल मोहम्मद ने इस अवसर पर कहा कि उनके पास आने वाला कोई भी फरियादी खाली हाथ नहीं जाता। उन्होंने आश्वासन दिया कि जो भी आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार या बुजुर्ग इस वितरण से छूट गए हैं, उन्हें भी जल्द ही सहायता पहुंचाई जाएगी। अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए लाल मोहम्मद ने कहा कि उन्होंने गरीबी को बहुत करीब से देखा है। एक समय ऐसा था जब परिवार के पास अगले वक्त की रोटी का भी इंतजाम नहीं होता था, लेकिन आज अल्लाह की रहमत से वह इस काबिल हैं कि दूसरों की मदद कर सकें। उन्होंने कहा कि वह अपने बच्चों को भी यही सिखाते हैं कि गरीबों की सेवा से ही दिल को सुकून मिलता है। उनका मानना है कि इंसान को बांटने में कभी कमी नहीं करनी चाहिए क्योंकि अंत में सेवा ही काम आती है। इस मौके पर दिनेशपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष दुलाल चक्रवर्ती और महामंत्री दिव्येंदु राय ने लाल मोहम्मद के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे वास्तव में दिल के बादशाह हैं और उनके दरवाजे गरीबों के लिए हमेशा खुले रहते हैं। कार्यक्रम के दौरान अर्ष राजा, आरीश रजा, राकेश प्रसाद फौजी, तारकेश्वर मलिक और रजत जेठवानी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के लिए पंतनगर के छात्र मंथन सडाना का हुआ चयन

[illegible]

शिष्टाचार भेंट कर मार्गदर्शन प्राप्त किया। दिल्ली में कार्यक्रम के दौरान उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय अजय टम्टा से भी भेंट की और उनसे संवाद किया। मंथन ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह मंच युवाओं को नीति-निर्माण और नेतृत्व की भावना से जोड़ने वाला एक सशक्त माध्यम है, जिसने उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाया है। इस बड़ी उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनमोहन सिंह चौहान ने मंथन सडाना को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही कुलसचिव डा. दीपा विनय, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. एएस जीना, अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल और सलाहकार डा. संध्या रानी सहित विश्वविद्यालय परिवार ने मंथन की इस सफलता पर हर्ष जताया

[illegible]

लिटिल प्रिपरेटरी स्कूल में वार्षिक खेलकूद दिवस की धूम

नन्हे खिलाड़ियों ने दिखाया दम

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। लिटिल किंगडम प्रिपरेटरी स्कूल में वार्षिक खेलकूद दिवस का भव्य और रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रशासक हरविंदर पुरी और विद्यालय प्रशासिका परविंदर पुरी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को खेल भावना, अनुशासन और निरंतर परिश्रम का महत्व समझाते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। प्रधानाचार्या गायत्री खन्ना ने अपने संबोधन में कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास का संचार होता है।खेल दिवस के दौरान प्ले ग्रुप से लेकर कक्षा पांच तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। नन्हे बच्चों ने नींबू दौड़, फ्लैग दौड़, टायर रेस और रिवर्स रेस जैसी रोचक और मनोरंजक स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान खेल का मैदान बच्चों के जोश और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। प्रतियोगिताओं के समापन पर सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

डा.रतन अरोरा के निधन पर किया शोक व्यक्त

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। आर्य जिला सभा ऊधमसिंह नगर की एक शोक सभा डा. विश्वामित्र आचार्य चिकित्साधिकारी (सेवा-निवृत्त) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। जिसका संचालन मंत्री विनीत कुमार ने किया। शोक सभा में नगर के सुप्रतिष्ठित वरिष्ठ चिकित्सक डा0रतन लाल अरोरा की लम्बी वीमारी से असामयिक मृत्यु पर गहरा दु:ख व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि डा. अरोरा के निधन से हुई क्षति की भरपाई असम्भव है। डा0 अरोरा मिलन सार, उदार, दयालु, समाज सेवी, सभी की भलाई करने काले परोपकारी व्यक्तित्व के धनी थे। शोक सभा में दो मिनट का मौन रख ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं दु:खी परिवार इस घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की गई। शोक सभा में महेन्द्र पाल आर्य, देवेन्द्र मण्डल, अनोखे लाल, सत्यदेव सिंह आर्य, सुरेश चन्द्र गुप्ता, डा0राम सहाय वर्मा, प्रभाष चन्द्र अग्रवाल , विनीत पाठकर, ओमसिंह आर्य, रामपाल सिंह आर्य आदि उपस्थित थे।

SAHAS Homeo
साहस होम्यो मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक
जर्मन तथा सभी प्रकार के होम्योपैथिक व बायोकैमिक दवाईयों के विक्रेता
डॉ. यश पाण्डेय
होम्योपैथिक फिजिशियन
बी.एच.एम.एस., जयपुर

चर्म रोग | गुर्दा रोग | पेट रोग
गुदा रोग | लिवर सम्बन्धि रोग
अन्य रोग • स्पान्डीलाईटिस • श्वास रोग • मोटापा • दमा • प्रोस्टेट • माइग्रेन • टान्सिल • एलर्जी • ब्रोनकाइटिस
बच्चों के रोग • पेट का दर्द • अपच • कान में संक्रमण / दर्द • खांसी • जुकाम • निमोनिया • बुखार • दांत निकलना
साहस होम्यो क्लीनिक
निकट गुरुद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी
मो. 9456727473, 9410514531 शनिवार अवकाश

'खेल भूमि' के रूप में उभर रहा उत्तराखंड: विकास शर्मा

राज्य स्तरीय कबड्डी में ऊधमसिंह नगर बना चैंपियन, महापौर ने खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर किया सम्मानित

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेल निदेशालय उत्तराखंड और खेल विभाग उधम सिंह नगर के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय अनुसूचित जाति ओपन बालक कबड्डी प्रतियोगिता का प्रदान कर सम्मानित किया और युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।समापन समारोह को संबोधित करते हुए महापौर विकास शर्मा ने खिलाड़ियों को जीत की बधाई दी और खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। नई खेल नीति का ही परिणाम है कि आज खिलाड़ियों को उनकी मेहनत का उचित सम्मान मिल रहा है। धामी सरकार ने 'मेडल लाओ, नौकरी पाओ' की जो मुहिम शुरू की है, उससे प्रदेश के युवाओं में खेलों के प्रति नया मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में रूद्रपुर नगर निगम भी स्थानीय स्तर पर खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या और उनकी जरूरतों को देखते हुए जल्द ही किच्छा रोड पर एक नए भी खिलाड़ी के रास्ते का रोड़ा नहीं बनने देंगे।प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। ऊधमसिंह नगर और देहरादून के बीच हुए इस मैच में अंतिम क्षणों तक रोमांच बना रहा। अंत में ऊधमसिंह नगर की टीम ने सूझबूझ का हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने के लिए भविष्य में भी ऐसी प्रतियोगिताएं आयोजित होती रहेंगी।इस अवसर पर युवा कल्याण अधिकारी भूपेंद्र सिंह रावत, कुमाऊं विश्वविद्यालय के पूर्व क्रीड़ा

भव्य समापन हुआ। फाइनल के बेहद रोमांचक मुकाबले में मेजबान ऊधमसिंह नगर की टीम ने देहरादून को मात्र दो अंकों के अंतर से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे महापौर विकास शर्मा ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी महापौर ने कहा आज उत्तराखंड की खेल प्रतिभाएं न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार देवभूमि को श्खेल भूमिश् बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। प्रदेश में लागू की गई आत्मविश्वास जगा है। अब मेडल लाने वाले खिलाड़ियों को सीधे सरकारी नौकरियों से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त होकर अपनी प्रतिभा को और निखार सकें।महापौर ने कहा कि नगर निगम खेलों को बढ़ावा देने के लिए नगर निगम भी प्रयासरत है। स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। नगर निगम का प्रयास है कि रूद्रपुर के हर होनहार खिलाड़ी को आधुनिक सुविधाएं और प्रशिक्षण मिले, ताकि वे ओलंपिक जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं तक का सफर तय कर सकें। हम संसाधनों की कमी को किसी परिचय देते हुए देहरादून को 51-49 के स्कोर से पराजित किया। जिला खेल अधिकारी जानकी कार्की ने बताया कि खेल विभाग का उद्देश्य बच्चों को अधिक से अधिक मंच प्रदान करना है ताकि वे पेशेवर स्तर के लिए तैयार हो सकें। उन्होंने विभाग की प्रतिबद्धता दोहराते अधिकारी नागेंद्र शर्मा, कबड्डी कोच विशाल सिंह, गौरव उपाध्याय, सहायक एथलेटिक्स कोच हरिश राम, खो-खो कोच अल्पना त्यागी, हैंडबॉल कोच रघु रावत और फेंसिंग कोच स्मिता नेगी सहित भारी संख्या में खेल प्रेमी और विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस तक चलेगा विशेष स्वच्छता और सड़क सुधार अभियान

हल्द्वानी। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जनपद को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने एक व्यापक विशेष अभियान का बिगुल फूंक दिया है। 26 जनवरी तक चलने वाले इस अभियान के तहत पूरे जिले में नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने दो टूक शब्दों में अधिकारियों को निर्देशित किया है कि यह अभियानकेवल फाइलों या औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि धरातल पर जन-संवेदना और जन-उत्तरदायित्व का एक जीवंत उदाहरण बनना चाहिए।अभियान के मुख्य बिंदुओं में सड़कों का सुधारीकरण प्राथमिकता पर है। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए हैं कि जिले की सभी मुख्य और संपर्क सड़कों को तत्काल प्रभाव से गड्ढा मुक्त किया जाए। विशेष रूप से उन मार्गों पर त्वरित मरम्मत कार्य शुरू करने को कहा गया है जो सीधे तौर पर जनसुविधाओं जैसेख्रविद्यालयों, अस्पतालों, मुख्य बाजारों और बस अड्डों से जुड़े हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि गणतंत्र दिवस तक जिले का कोई भी प्रमुख मार्ग बदहाल स्थिति में न रहे, ताकि आमजन और पर्यटकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। स्वच्छता को लेकर प्रशासन ने एक बड़ी योजना तैयार की है। शहरी क्षेत्रों में नगर निगम के नगर आयुक्त और नगर पालिकाओं व पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को स्वयं मैदान में उतरकर सफाई व्यवस्था की कमान संभालने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था (ग्राम, क्षेत्र और जिला पंचायत) के निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों को स्वेच्छा से इस अभियान का हिस्सा बनने का आह्वान किया गया है। सड़क किनारे, नालियों की सफाई, सार्वजनिक स्थलों और बस्तियों के प्रवेश व अंतिम छोर तक कूड़ा निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। इस कार्य में व्यापार मंडलों, स्वयंसेवी संस्थाओं और युवाओं को जोड़कर इसे एक जन- आंदोलन का रूप देने की तैयारी है। अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी ने जिम्मेदारियों का बंटवारा भी कर दिया है। मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, सभी उप जिलाधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों और तहसीलदारों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में व्यक्ति गत रूप से अभियान की निगरानी और अनुश्रवण करेंगे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने पांच लोगों के शस्त्र लाइसेंस किए निरस्त

आपराधिक मुकदमों के आधार पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जनपद नैनीताल के थाना बनभूलपुरा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जनसुरक्षा के दृष्टिगत जिला मजिस्ट्रेट ने पांच व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं। यह कार्रवाई संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में पंजीकृत आपराधिक मुकदमों के आधार पर की गई है। प्रशासन की इस सख्ती से क्षेत्र के आपराधिक तत्वों में हड़कंप मचा हुआ है।जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आजाद नगर निवासी साजिद नबी पुत्र रहमत नबी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत तीन मुकदमे पंजीकृत हैं। लाइन नंबर 18 निवासी मोहम्मद उस्मान पुत्र इश्तियाक अहमद के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत तीन मामले दर्ज हैं। इसी प्रकार, लाइन नंबर 6 निवासी मोहम्मद गुफरान पुत्र मोहम्मद हाजी और लाइन नंबर 10 निवासी शाकिर हुसैन पुत्र साबिर हुसैन के विरुद्ध भी भारतीय दंड संहिता व लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के अंतर्गत तीन-तीन मुकदमे पाए गए हैं।इसके अलावा, लाइन नंबर 5 निवासी मोहम्मद जहीर पुत्र खालिद हुसैन के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज होने की पुष्टि हुई है। जहीर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट एक्ट, विधि विरुद्ध क्रिया कलाप निवारण अधिनियम (यूएपीए) और आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई चल रही है। इन तथ्यों और सार्वजनिक शांति को ध्यान में रखते हुए जिला मजिस्ट्रेट ललित मोहन रयाल ने तत्काल प्रभाव से पांचों व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने के आदेश पारित किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वालों के खिलाफ इसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

हत्या के दोषी को आजीवन कारावास

खटीमा। सितारगंज में तीन साल पहले एक युवक की हत्या के मामले में दोषी को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंजू सिंह मुंडे की अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। गणेश कॉलोनी, सितारगंज निवासी कमला देवी ने पुलिस को तहरीर दी थी। बताया कि उसके पति रज्जन सैनी 26 अप्रैल 2023 की सुबह टीचर कॉलोनी सितारगंज के सामने मजदूरी करने के लिए इंतजार कर रहे थे। तभी वहां पर मजदूर तौफिक अहमद और हनीफ में आपस में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उसके पति रज्जन सैनी बीचबचाव करने के लिए गए। इसी बीच गुस्साए हनीफ ने पास की मीट की दुकान से छुरी लेकर रज्जन सैनी का गला रेत कर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्यारोपी हनीफ के विरुद्ध खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दो जुलाई 2023 को आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ने 10 गवाहों को पेश किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मंजू मुंडे ने चिंतीमझरा सितारगंज निवासी मो. हनीफ को दोषी मानते हुए धारा 302 और 307 आईपीसी में आजीवन कारावास, 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई, धारा 506 आईपीसी में एक साल की सजा व दो हजार रुपये व धारा 4/25 में छह माह की सजा व दो हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

एसबीआई ने मृतक के आश्रित को सौंपा दो लाख का चेक

दिनेशपुर (उद संवाददाता)। भारतीय स्टेट बैंक की दिनेशपुर शाखा में बुधवार को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत एक लाभार्थी को दो लाख रुपये की दावा धनराशि का चेक प्रदान किया गया। मदपुरी कुल्हा निवासी जीवन सिंह की आकस्मिक मृत्यु हो जाने के बाद उनकी पत्नी और नामांकित लाभार्थी गीता देवी को यह आर्थिक सहायता दी गई। मृतक जीवन सिंह ने बैंक के माध्यम से 436 रुपये का वार्षिक प्रीमियम जमा कर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत अपना बीमा कराया था।चेक वितरण के दौरान शाखा प्रबंधक दिनेश कुमार ने बताया कि सभी खाताधारकों को केंद्र सरकार की इन महत्वपूर्ण बीमा योजनाओं का लाभ अवश्य उठाना चाहिए। उन्होंने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एक दुर्घटना बीमा है, जिसमें मात्र 20 रुपये सालाना प्रीमियम पर दो लाख का कवर मिलता है। वहीं, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 436 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर किसी भी कारणवश मृत्यु होने की स्थिति में परिजनों को दो लाख रुपये की सहायता दी जाती है। उन्होंने जोर दिया कि जागरूकता के अभाव में कई लोग इन योजनाओं से वंचित रह जाते हैं, जबकि किसी भी अनहोनी की स्थिति में यह छोटी सी बचत परिवार के लिए बड़ा सहारा बनती है। इस अवसर पर सीनियर अकाउंटेंट विनय विष्ट, पल्विंदर सिंह, नीरज राणा, राकेश जोशी, भीमसेन, मयंक पांडे, सरवन कुमार और अनिल कुमार सहित बैंक के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

निबंध प्रतियोगिता में चमकीं तनिशा चावला

गदरपुर। रक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित 'स्वतंत्रता का मंत्र : वन्दे मातरम' विषय पर आधारित राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता में गदरपुर की बेटी तनिशा चावला ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। देश के लगभग 10 हजार युवाओं के बीच आयोजित इस प्रतियोगिता में तनिशा ने अपने ज्ञान और उत्कृष्ट लेखन कला के दम पर उत्तराखंड राज्य में दूसरा और देशभर में 13वां स्थान प्राप्त किया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ ही उनका चयन देश के टॉप 27 विजेताओं में सांत्वना पुरस्कार के लिए हुआ है।इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के फलस्वरूप तनिशा चावला को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड का साक्षी बनने के लिए विशेष निमंत्रण प्राप्त हुआ है। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने देशप्रेम और वैचारिक स्पष्टता का परिचय दिया। तनिशा वर्तमान में सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर से शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। शिक्षा के साथ-साथ वह सामाजिक और संगठनात्मक कार्यों में भी सक्रिय हैं। वह 'माय भारत' उधम सिंह नगर के विकासखंड गदरपुर में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक के पद पर कार्यरत हैं और अखिल भारतीय साहित्य परिषद उत्तराखंड की जिला युवा प्रकोष्ठ प्रमुख की जिम्मेदारी भी संभाल रही हैं। उनकी इस सफलता पर क्षेत्र के लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर प्रसाद वितरित

गूलरभोज (उद संवाददाता)। अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर कस्बे के व्यापारियों ने हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया। राज अनेजा के प्रतिष्ठान पर जुटे व्यापारियों ने इस ऐतिहासिक दिन की खुशी साझा की और राहगीरों व स्थानीय लोगों को हलवे का प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष डा. कुलदीप रघुवंशी ने कहा कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। इस दौरान राज अनेजा, दर्शन ठुकराल, महेंद्र पानू, रामकिशन दहूजा, गुलशन अनेजा, सचिन दहूजा, अमित कुमार गुप्ता, पिंटू, गणेश भारती, मुकेश कुमार और नंदन सिंह सहित कई व्यापारी उपस्थित रहे। व्यापारियों ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए जय श्रीराम के जयकारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

अवैज्ञानिक खनन के दुष्प्रभाव

देश में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन तथा इसके पर्यावरण पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। ये तर्क सही हो सकते हैं कि खनन गतिविधियां विकास प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन क्या पर्यावरण की कीमत पर विकास की राह तलाशना उचित है? पिछले कुछ दिनों से चर्चा में रहे अरावली पर्वत-शृंखला के मसले को लेकर यह बहस जोर पकड़ रही है कि अगर कोई प्राकृतिक संरचना किसी क्षेत्र के लिए जीवन-धारा और सुरक्षा दीवार के रूप में खड़ी है, तो क्या उसका संरक्षण जरूरी नहीं है!हाल के वर्षों में अरावली क्षेत्र में खनन गतिविधियां बढ़ी हैं और इससे होने वाले नुकसान को लेकर उठी आवाज की अनदेखी हुई है। यही वजह है कि बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय ने भी स्पष्ट किया कि अरावली में खनन और इससे संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच जरूरी है तथा इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाएगी। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि अरावली क्षेत्र में अवैध खनन से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति हो सकती है।गौरतलब है कि पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था दी थी कि आसपास की जमीन से कम से कम सौ मीटर ऊंचे हिस्से को ही अरावली पहाड़ी के तौर पर माना जाएगा। अदालत की इस नई परिभाषा के बाद यह आशंका पैदा हो गई थी कि अगर सौ मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर खनन, निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के रास्ते खुलेंगे, तो इसके बाद समूचे इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव पड़ सकते हैं।क्योंकि, पहाड़ियों के बीच पांच सौ मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता था। हालांकि, बाद में शीर्ष अदालत ने अपने इस फैसले को स्थगित करते हुए कहा था कि इस मामले में कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है। अब न्यायालय ने सरकार को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया है, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके।मगर यह पहलू भी महत्त्वपूर्ण है कि विशेषज्ञों की समिति बिना किसी दबाव और निष्पक्षता से अध्ययन कर अपने सुझाव सामने रखे। इस चिंता को दूर करने के लिए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा है कि यह समिति उसके निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी।दरअसल, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात से लेकर दिल्ली तक के सैकड़ों किलोमीटर इलाके में फैली अरावली पर्वत-शृंखला को उत्तर भारत में पर्यावरण को संतुलित रखने की लिहाज से एक प्राकृतिक दीवार के रूप में देखा जाता है। मगर पिछले कुछ वर्षों से अरावली क्षेत्र में जिस तरह पत्थर, रेत और अन्य संसाधनों की पूर्ति के लिए खनन गतिविधियां बढ़ी हैं, उससे इलाके के पर्यावरण पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली के आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर को सामान्य बनाए रखने, रेगिस्तान बनने से रोकने और लोगों की आजीविका बचाने के लिए इसका संरक्षण जरूरी है। इसे न केवल पर्यावरणीय, बल्कि भूगर्भीय और जलवायु संबंधी महत्त्व की दृष्टि से भी देखने और मूल्यांकन करने की जरूरत है। अगर अरावली की पहाड़ियों में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन पर रोक नहीं लगाई गई, तो निश्चित रूप से निकट भविष्य में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

आपदा प्रबंधन सचिव ने की सेंडई फ्रेमवर्क के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा

देहरादून। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास श्री विनोद कुमार सुमन ने राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा सेंडई फ्रेमवर्क के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की आज समीक्षा की। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में आयोजित बैठक में उन्होंने सेंडई फ्रेमवर्क (2015-2030) के लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सभी विभागों को एक सप्ताह के भीतर अपने-अपने विभाग का एक्शन प्लान प्रस्तुत करने को कहा।समीक्षा बैठक के दौरान श्री सुमन ने कहा कि सेंदाई फ्रेमवर्क आपदाओं से होने वाली जनहानि, प्रभावित लोगों की संख्या, आर्थिक क्षति तथा बुनियादी सेवाओं और महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं को होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने की दिशा में एक वैश्विक रूपरेखा प्रदान करता है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य के सभी विभागों को अपनी विभागीय आपदा प्रबंधन योजना तैयार करनी होगी तथा प्रत्येक विभाग में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की स्थापना सुनिश्चित की जाएगी। श्री सुमन ने कहा कि सेंदाई फ्रेमवर्क की पहली प्राथमिकता आपदा जोखिम को समझना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपदा से संबंधित आंकड़ों का व्यवस्थित संग्रह, विश्लेषण एवं उपयोग अत्यंत आवश्यक है। आपदा जोखिम प्रबंधन के सुदृढ़ीकरण की दूसरी प्राथमिकता पर उन्होंने कहा कि इसके लिए तकनीकी, वित्तीय एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। तीसरी प्राथमिकता आपदा जोखिम न्यूनीकरण में निवेश के संबंध में उन्होंने कहा कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जोखिम कम करने हेतु योजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। विकास योजनाओं में आपदा जोखिम मूल्यांकन, मानचित्रण एवं प्रबंधन को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा तथा राज्य की महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं और सेवाओं को सुरक्षित बनाने के लिए दीर्घकालिक रणनीतियां अपनाई जाएंगी। चौथी प्राथमिकता आपदा के प्रति तैयारी तथा प्रभावी प्रतिक्रिया एवं पुनर्निर्माण के विषय पर श्री सुमन ने कहा कि आपदा पश्चात पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण कार्यों में बिल्ड बैक बेटर की अवधारणा को अपनाते हुए भविष्य की आपदाओं के प्रति जोखिम को कम किया जाएगा। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास श्री विनोद कुमार सुमन ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं कार्यों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित प्रावधानों को अनिवार्य रूप से शामिल करें। विभागीय परिसंपत्तियों एवं अवसंरचनाओं पर संभावित खतरों का आकलन, जोखिम कम करने हेतु योजनाओं का विकास एवं क्रियान्वयन, जन-जागरूकता, प्रशिक्षण, शोध एवं क्षमता विकास को प्राथमिकता दी जाए। सेंदाई फ्रेमवर्क के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु राज्य एवं जनपद स्तर पर नियमित समीक्षा की जाएगी तथा विभागीय समन्वय के माध्यम से एक सुदृढ़ एवं समग्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण तंत्र विकसित किया जाएगा। बैठक में वरिष्ठ आपदा जोखिम न्यूनीकरण विशेषज्ञ डॉ. पीडी माथुर, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो0 ओबैदुल्लाह अंसारी, यूएलएमएमसी के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार, विभिन्न रेखीय विभागों के अधिकारी तथा यूएसडीएमए के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। सेंदाई फ्रेमवर्क के तहत प्रत्येक विभाग द्वारा विभागीय आपदा प्रबंधन योजना तैयार की जाएगी।सभी प्रमुख आपदाओं के लिए मानक परिचालन प्रक्रिया एवं कंटिजेंसी प्लान तैयार किया जाएगा। प्रत्येक विभाग में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की स्थापना की जाएगी।इसके अंतर्गत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से समन्वय हेतु नोडल अधिकारी नामित किया जाएगा । सभी योजनाओं एवं परियोजनाओं में आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं जलवायु परिवर्तन अनुकूलन को शामिल किया जाएगा। विभागीय परिसंपत्तियों का खतरा, जोखिम, संवेदनशीलता एवं क्षमता आकलन किया जाएगा।सभी भवनों, संरचनाओं एवं अवसंरचनाओं का सुरक्षा ऑडिट किया जाएगा । सभी परिसंपत्तियों की GIS आधारित मैपिंग कर उन्हें सुरक्षित तथा असुरक्षित श्रेणी में वर्गीकृत किया जाएगा। भवन उपविधि, सुरक्षा मानक, भूमि उपयोग एवं क्षेत्रीय नियमों का कड़ाई से अनुपालन किया जाएगा ।

भूकंपीय माइक्रो-जोनिंग, बाढ़ एवं भूस्खलन जोनिंग को योजनाओं में शामिल किया जाएगा। राज्य, जिला एवं विभाग स्तर पर निगरानी तंत्र स्थापित किया जाएगा। सुरक्षा ऑडिट के आधार पर कमजोर अवसंरचनाओं का सुदृढ़ीकरण तथा पुनर्निर्माण किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत सभी नई परियोजनाओं में बहु-आपदा प्रतिरोधी निर्माण तकनीकों को अपनाया जाएगा। रिटेनिंग वॉल, तटबंध, शेल्टर, बाढ़ सुरक्षा संरचनाओं का निर्माण एवं रखरखाव किया जाएगा। सभी विभागों द्वारा पूर्व चेतावनी संदेश प्राप्त एवं प्रसारित करने की व्यवस्था की जाएगी। राहत शिविर, सुरक्षित खुले स्थल, निकासी मार्गों की पहचान एवं मैपिंग की जाएगी।

मालेगांव में बदलती जनसांख्यिकी और निकाय चुनाव परिणाम

पिछले लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के नगर मालेगांव में वोट जिहाद होने का आरोप लगाया था,वह अब एक प्रामाणिक सच्चाई के रूप में सामने आ गया है। फडणवीस के इस आरोप से तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दल तिलमिला उठे थे, लेकिन अब निकाय चुनाव में उसी मालेगांव में इस्लाम पार्टी,समाजवादी पार्टी और एआईएमआईएम के गठबंधन ने अपना परचम तो फहराया ही,कथित सेकुलर दलों को भी किनारे लगा दिया। कांग्रेस ने भी महज तीन वे सीटें जीती हैं,जिन पर मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव लड़े थे। यहां नई नई अस्तित्व में आई इस्लाम पार्टी ने 35,सपा ने 5 एआईएमआईएम ने 21 सीटें जीती हैं। शिवसेना (शिंदे) को 18 और भाजपा को मात्र दो सीटें मिली हैं। ये परिणाम मालेगांव में जनसांख्यिकीय घनत्व बिगड़ने के कारण संभव हुए हैं। जिसकी चेतावनी फडणवीस ने तो दी ही थी, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइसेंज (टिस्स) ने भी दी थी। टिस्स की इस रिपोर्ट ने मुंबई में एक सर्वेक्षण करके कहा था कि 1961 में मुंबई की आबादी सिर्फ 8 प्रतिशत थी,जो 2011 में बढ़कर 21 प्रतिशत हो गई और 2051 तक यह आबादी 30 प्रतिशत पहुंच जाएगी। तब यह आबादी कई दलों के राजनीतिक समीकरण बिगाड़ने में सक्षम होगी। इस रिपोर्ट की प्रासंगिकता मालेगांव निकाय चुनाव में साबित हो गई है। वर्तमान में मालेगांव में 78 प्रतिशत आबादी है,इसी बूते उसने 75 प्रतिशत सीटें जीत ली हैं। मसलन 'जिसकी जितनी संख्या भारी,उसकी उतनी शासन में हिस्सेदारी' । जनसँख्यात्मक घनत्व के परिप्रेक्ष्य में दो तरह की चुनौतियां सामने आ रही हैं, एक प्रजनन के जरिए मुस्लिमों की बढ़ती आबादी और दूसरे घुसपैठ के जरिए सीमावर्ती राज्यों में मुस्लिमों की बढ़ती आबादी! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठियों की मदद से जनसांख्यिकीय घनत्व बदलने की साजिश बता रहे हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। ये हालात इसलिए चिंताजनक हैं, क्योंकि अब बिगड़ता जनसंख्यात्मक घनत्व भारत का राजनीतिक भविष्य तय करने की ओर बढ़ रहा है। पश्चिम बंगाल, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में स्थानीय बनाम विदेशी नागरिकों का मसला एक बड़ी समस्या बन गया है। जो यहां के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन को लंबे समय से झकझोर रहा है। असम के लोगों की शिकायत है कि बांग्लादेश और म्यांमार से बड़ी संख्या में घुसपैठ करके आए मुस्लिमों ने उनके न केवल आजीविका के संसाधनों को हथिया लिया है, बल्कि कृषि भूमि पर भी काबिज हो गए हैं। इस कारण राज्य का जनसंख्यात्मक घनत्व बिगड़ रहा है। लिहाजा यहां के मूल निवासी बोडो आदिवासी और घुसपैठियों के बीच जानलेवा हिंसक झड़पें भी होती रहती हैं। नतीजतन अवैध और स्थाई नागरिकों की पहचान के लिए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता पत्रक बनाने की पहल हुई। इस निर्देश के मुताबिक 1971 से पहले असम में रह रहे लोगों को मूल नागरिक माना गया है। इसके बाद के लोगों को अवैध नागरिकों की सूची में दर्ज किया गया है। इस सूची के अनुसार 3.29 करोड़ नागरिकों में से 2.89 करोड़ लोगों के पास नागरिकता के वैध दस्तावेज हैं। शेष रह गए 40 लाख लोग फिलहाल अवैध नागरिकों की श्रेणी में रखे गए हैं। इस तरह के संवेदनशील मामलों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। दरअसल घुसपैठिए अपनी नागरिकता सिद्ध नहीं कर पाते हैं, तो यह उन राजनीतिक दलों को वजूद बचाए रखने की दृष्टि से खतरे की घंटी है, जो मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए घुसपैठ को बढ़ावा देकर अवैध नागरिकता को वैधता देने के उपाय करते रहे हैं। इस संदर्भ में मालेगांव एक सबक है। यह सबक भाजपा से कहीं ज्यादा उन दलों के लिए है,जो सेकुलर का डंका पीटते हुए आबादी नियंत्रण कानून और समान

नागरिक संहिता का विरोध करके खुद के पैरों पर तो कुल्हाड़ी मार ही रहे हैं, देश की संप्रभुता और अखंडता को भी खतरे में डाल रहे हैं।मालेगांव में हुई गोलबंदी ने तय कर दिया है कि भविष्य में मुस्लिम नेता और नेतृत्व वाले दलों को ही मुस्लिम मतदाता,मतदान के लिए धुर्वीकृत होंगे।इस संदर्भ में मालेगांव एक मॉडल के रूप में पेश आया है,जिसका भविष्य में विस्तार भी हो सकता है?दरससल यहां इस्लाम पार्टी,सपा और असदूद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम गठबंधन बनाकर चुनाव लड़ीं और 75 फीसदी सीटें जीतने में सफल रहीं। अतएव कल विस्तृत होने वाली यह चुनौती कांग्रेस, सपा, राजद,आप, तृणमूल और कम्युनिस्ट पार्टियों को कहां लाकर खड़ा कर देंगी,इस परिणाम में अंतर्निहित इस चेतावनी का अहसास करने की जरूरत इन दलों को है?मुस्लिमों की बढ़ती आबादी जहां उत्तर,मध्य,पश्चिम और दक्षिण भारत को प्रभावित करेगी,वहीं घुसपैठ पुर्वोत्तर भारत के राजनीतिक समीकरण बिगाड़ देगी।इसलिए इन दलों को वर्तमान से कहीं ज्यादा भविष्य पर दृष्टिपात करने की जरूरत है। आज असम और बंगाल में अवैध घुसपैठ का मामला सबसे ज्यादा गर्म है।इसलिए मोदी जहां घुसपैठ के प्रखर विराधी के रूप में पेश आ रहे हैं, वहीं ममता बनर्जी घुसपैठियों के समर्थन में आ खड़ा होती हैं।2026 में असम और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने हैं,इस कारण भी यह मुद्दा गरमाया हुआ है।दरअसल असम 1951 से 1971 के बीच राज्य में मतदाताओं की संख्या अचानक 51 प्रतिशत बढ़ गई। 1971 से 1991 के बीच यह संख्या बढ़कर 89 फीसदी हो गई। 1991 से 2011 के बीच मतदाताओं की तादात 53 प्रतिशत बढ़ी। 2001 की जनगणना के आंकड़ों के हिसाब से यह भी देखने में आया कि असम में हिंदू आबादी तेजी से घटी और मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ी है। 2011 की जनगणना में मुस्लिमों की आबादी और तेजी से बढ़ी। 2001 में जहां यह बढ़ोत्तरी 30.9 प्रतिशत थी, वहीं 2011 में बढ़कर 34.2 प्रतिशत हो गई। जबकि देश के अन्य हिस्सों में मुस्लिमों की आबादी में बढ़ोत्तरी 13.4 प्रतिशत से 14.2 फीसदी तक ही हुई। असम में 35 प्रतिशत से अधिक मुस्लिमों वाली 2001 में विधानसभा सीटें 36 थी, जो 2011 में बढ़कर 39 हो गईं। गौरतलब है कि 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र होने के बाद से 1991 तक हिंदुओं की जनसंख्या में 41.89 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि इसी दौरान मुस्लिमों की जनसंख्या में 77.42 फीसदी की बेलगाम वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह 1991 से 2001 के बीच असम में हिंदुओं की जनसंख्या 14.95 प्रतिशत बढ़ी, जबकि मुस्लिमों की 29.3 फीसदी बढ़ी। इस घुसपैठ के कारण असम में जनसंख्यात्मक घनत्व गड़बड़ा गया। और सांप्रदायिक दंगों का सिलसिला शुरू हो गया। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा बोडो आदिवासियों ने भुगता। इसी के दुष्फल स्वरूप कई बोडो उग्रवादी संगठन अस्तित्व में आ गए। इन घुसपैठियों को भारतीय नागरिकता देने के काम में असम राज्य कांग्रेस की राष्ट्र विरोधी भूमिका रही है। घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बनाने के लिए कांग्रेसियों ने इन्हें बड़ी संख्या में मतदाता पहचान पत्र एवं राशन कार्ड तक हासिल कराए। नागरिकता दिलाने की इसी पहल के चलते घुसपैठिए कांग्रेस को झोली भर-भर के वोट देते रहे हैं। कांग्रेस की तरूण गोगाई सरकार इसी बूते 15 साल सत्ता में रही। लेकिन लगातार घुसपैठ ने कांग्रेस की हालत पतली कर दी थी। फलस्वरूप भाजपा सत्ता में आ गई। इस अवैध घुसपैठ के दुष्प्रभाव पहले अलगाववाद के रूप में देखने में आ रहे थे, लेकिन बाद में राजनीति में प्रभावी हस्तक्षेप के रूप में बदल गए। इन दुष्प्रभावों को पूर्व में सत्तारूढ़ रहा कांग्रेस का केंद्रीय व प्रांतीय नेतृत्व जानबूझकर वोट बैंक बनाए रखने की दृष्टि से अनदेखा करता रहा। लिहाजा धुबरी जिले से सटी बांग्लादेश 134 किलोमीटर लंबी सीमा-रेखा है उस पर कोई चौकसी नहीं है। नतीजतन घुसपैठ आसानी से जारी है। असम को बांग्लादेश से अलग ब्रह्मपुत्र नदी करती है। इस नदी का पाट इतना चौड़ा और दलदली है कि इस पर बाड़ लगाना या दीवार बनाना नामुमकिन है। केवल नावों पर सशस्त्र पहरेदारी के जरिए घुसपैठ को रोका जाता है। लेकिन अब नरेंद्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा के घुसपैठियों के विरुद्ध कड़े रुख के चलते इनकी वापसी भी शुरू हुई है।दरअसल 1971 से ही एक सुनियोजित योजना के तहत पूर्वोत्तर भारत, बंगाल, बिहार और दूसरे प्रांतों में घुसपैठ का सिलसिला जारी है। म्यांमार से आए 60,000 घुसपैठिए रोहिंग्या मुस्लिम भी कश्मीर, बेंगलुरु और हैदराबाद में गलत तरीकों से भारतीय नागरिक बनते जा रहे हैं। जबकि कश्मीर से हिंदू, सिख और बौद्ध पिछले साढ़े तीन दशक से शरणार्थी बने रहने को अभिशप्त हैं। प्रधानमंत्री राजीव गांधी सरकार ने तत्कालीन असम सरकार के साथ मिलकर फैसला लिया था कि 1971 तक जो भी बांग्लादेशी असम में घुसे हैं, उन्हें नागरिकता दी जाएगी और बाकी को भारत की जमीन से निर्वासित किया जाएगा। इस फैसले के तहत ही अब तक सात बार एनआरसी ने नागरिकों की वैध सूची जारी करने की कोशिश की, लेकिन मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति के चलते कांग्रेस, वामपंथी और तृणमूल एनआरसी का विरोध करते रहे हैं।बहराल,मालेगांव में मुस्लिम पार्टियों की एकतरफा जीत और पूर्वोत्तर में घुसपैठ उन तथाकथित धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों के लिए एक सबक एवं चुनौती है,जो अवैध घुसपैठियों और मुस्लिमों पर आबादी नियंत्रण के कानूनी उपायों के परिप्रेक्ष्य में समर्थन में खड़े होकर अपने ही दलों के राजनीतिक भविष्य को खतरे में डाल रहे हैं।

प्रमोद भार्गव, वरिष्ठ पत्रकार

बसंत पंचमी पर तय होगी बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि

गोपेश्वर। भू-बैकुंठ भगवान बदरी विशाल के कपाट खुलने की शुभ तिथि घोषित करने की तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में हैं। परंपरा के अनुसार, आगामी 23 जनवरी को बसंत पंचमी के पावन पर्व पर नरेंद्र नगर (टिहरी) राजदरबार में राजपुरोहितों की गणना के आधार पर कपाट खुलने के दिनपट्टा मुहूर्त की घोषणा की जाएगी। इस घोषणा को लेकर देश-दुनिया के श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की प्रारंभिक धार्मिक प्रक्रिया पांडुकेश्वर गांव से शुरू हो चुकी है। बुधवार को डिमरी पंचायत द्वारा आयोजित 'गाडू घड़ा' (तेल कलश) यात्रा पांडुकेश्वर और नृसिंह मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद डिम्मर गांव के लिए रवाना हुई। स्थानीय महिलाओं ने पारंपरिक मांगलिक गीतों और पुष्प वर्षा के साथ भव्य रूप से यात्रा को विदा किया। यह तेल कलश 22 जनवरी को नरेंद्र नगर पहुंचेगा, जहाँ मुहूर्त निर्धारण के समय इसकी उपस्थिति अनिवार्य होती है। कम्दी थोक पाण्डुकेश्वर के अध्यक्ष जगदीश पवार ने बताया कि भगवान बदरी विशाल की कपाट खुलने की परंपराओं का निर्वहन पूरी श्रद्धा के साथ किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि गाडू घड़ा (तेल कलश) का पहला भोग पांडुकेश्वर में पंवार खानदान के बारीदार श्री नरेश पंवार के निवास पर लगा, जहाँ कलश की विधिवत पूजा की गई। इसके उपरांत योगध्यान बदरी में गाडू घड़ा का उत्सव डोली के साथ भव्य मिलन हुआ। अध्यक्ष जगदीश पवार ने स्पष्ट किया कि भगवान बदरी विशाल की शीतकालीन पूजा स्थली पांडुकेश्वर में ही स्थित है, जहाँ कुबेर और उद्धव जी की मूर्तियों की पूजा होती है, जबकि ज्योतिर्मठ में केवल रावल जी की पालकी जाती है। इस अवसर पर सतीश डिमरी ने धार्मिक अनुष्ठानों पर जोर देते हुए बताया कि 'कंदी थोक' द्वारा गाडू घड़े की पूजा पूरी विधि-विधान से संपन्न की गई है। भगवान के लिए विशेष भोग तैयार कर अर्पित किया गया, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूजन और प्रसाद वितरण के बाद यात्रा अपने अगले गंतव्य के लिए प्रस्थान कर गई। इस पावन अवसर पर हेमचंद्र डिमरी, सतीश चंद्र डिमरी, सुधीर डिमरी, संदीप डिमरी, अध्यक्ष कम्दी थोक जगदीश पंवार सहित भारी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

अपराध मुक्त ग्राम सभा बनी बेलवाल गांव,विकास प्रस्तावों पर बनी सहमति

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। विकासखंड भैंसियाछाना की ग्राम पंचायत बेलवाल गांव में बुधवार को खुली बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं और प्रस्तावित विकास कार्यों पर चर्चा की गई। बैठक में कई विकास प्रस्तावों पर सहमति बनाई गई। वहीं, सीविल जज की ओर से ग्राम पंचायत को अपराध मुक्त ग्राम सभा पुरस्कार से नवाजा गया। बैठक में जमराड़ी में पशु सेवा केंद्र खोलने के प्रस्ताव को सर्व सम्मति से मंजूर किया गया। बैठक में जमराड़ी भनल गांव सड़क मार्ग का मामला जमकर उठा। जिसमें लोक निर्माण विभाग से समाधान की मांग की गई। इसके अलावा बैठक में आंगनबाड़ी केंद्र बनाने और गांव के विकास व सुंदर ग्राम पंचायत बनाने के लिए विभिन्न निर्माण कार्यों का खाका भी तैयार किया गया। वहीं, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी शीतल सिंह सत्यपाल ने सीविल जज द्बारा अपराध मुक्त ग्राम सभा पुरस्कार का सर्टिफिकेट नव नियुक्त ग्राम प्रधान सुनीता मेहरा को सौंपा गया। यहां बैठक में पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य रमेश जड़ौत, महेंद्र सिंह जड़ौत, प्रधान प्रतिनिधि ललित मेहरा, हेमंत सिंह, पूर्व प्रधान दुलप सिंह, मदन सिंह, किशन सिंह, कृष्ण सिंह, सोबन सिंह, मोहन सिंह, हरक सिंह, त्रिलोक सिंह, शांति देवी, महेंद्र सिंह मेहरा, कमला देवी, बबली देवी समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

सच्चे शिष्य को मिलता है सदगुरू

हम सच्चे गुरू की तलाश में सारा जीवन बिता देते है फिर भी हम सद्गुरू को नहीं पाते, हमें सच्चा गुरू तो तब मिलेगा जब हम गुरू के सच्चे शिष्य बन जायेंगे। आज के इस युग में श्रवण कुमार जैसी संतान भले ही न हो, लेकिन यदि हमने अपनी संतान को अच्छे सुसंस्कार बचपन में ही दे दिये तो वह संतान भी श्रवण कुमार से कम नहीं होगी। आज हमारा जीवन का जीने का तरीका ही बदल गया है बिस्तर से उठते ही हमें अब परमात्मा की याद नहीं बल्कि बैड टी की याद आती है। हम भगवान के दर्शन को जब नाश्ता कर के जायेंगे तो फिर हमारी भगवान के प्रति आस्था कहां से होगी? संसार का प्रत्येक जीव अपने भाग्य का वाता है बालक के इस संसार में आने से पहले ही उस के दूध की व्यवस्था माँ के आंचल में हो जाती है। हमें अपने पुण्य को प्रबल बनाना है तो पुण्य कार्य करना होगा। हर माँ बाप चाहते हैं कि मेरे घर में राम, महावीर, कृष्ण जैसी संतान जन्म ले लेकिन तोप उसके लिए हमें भी दशरथ और सिद्धार्थ जैसा आदर्शमय जीवन बनाना होगा इसलिए हम जागें और अपने जीवन की दिशा को मोड़ कर धर्म के पथ पर अग्रसर हो जायें और फिर हम देवेंगे कि हमारा जीवन धर्ममय हो जायेगा आज हमारे परिवारों में वाने पीने की कोई कमी नहीं केवल विचारों की कमी है। सप्ताह में एक बार सभी परिवार के सदस्य इकट्ठे बैठ कर आपस में विचार विमर्श करें और एक दूसरे से मेलजोल बनाये रवें एवं सामाजिक व धार्मिक कार्यों में बढ़चढ़ कर सहयोग करें तो हम पायेंगे कि हमारा घर वुशियां का संसार बन जायेगा व उन्नित के पद पर आगे बढ़ता जायेगा व किसी प्रकार का अभाव नही होगा।

- नरेश कुमार सेठ

सूचना नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरी बेटी का नाम आरोही (AAROHI) था अब मैंने अपनी बेटी का नाम बदलकर आरोही सिंह (AAROHI SINGH) रख लिया है। भविष्यमें हर विवरण में मेरी बेटी के नये नाम आरोही सिंह (AAROHI SINGH) से ही सम्बोधित किया जाये।

मनीषा देवी पत्नी श्री मदन सिंह निवासी-न्यू डिवाईन सिटी फेस-3, छत्तरपुर, रूद्रपुर, जिला उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)

सूचना नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम विक्रम कुमार शर्मा से बदलकर विक्रम शर्मा कर लिया है। अतः अब से भविष्य में मुझे विक्रम शर्मा पुत्र तारा चंद शर्मा के नाम से जाना व पहचाना जाए।

वर्तमान पता -मकान न - 26 ।, गली न. 2, आर.ए.एन. पब्लिक विद्यायल के पास पुखराज कॉलोनी भूरारानी रुद्रपुर तहसील रुद्रपुर जिला उधम सिंह नगर उत्तराखंड।

पेयजल समस्या के समाधान की मांग

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान ने अल्मोड़ा विस क्षेत्र में पेयजल समस्या हल नहीं होने पर चिंता जताई है। उन्होंने डीएम अंशुल सिंह से मुलाकात कर पेयजल समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। जिससे गर्मी के समय लोगों को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े।पूर्व विस उपाध्यक्ष चौहान ने कहा पांच साल पहले करोड़ों की लागत से खत्याड़ी ग्राम समूह पंपिंग योजना का निर्माण शुरू हुआ था। योजना से मेडिकल कॉलेज के बेस अस्पताल, खत्याड़ी, लोधिया, चौमू समेत दर्जनों गांवों को पेयजल उपलब्ध होना था। बताया कि नदी से लेकर गांवों में लाइन बिछ गई है। वनभूमि हस्तांतरण नहीं होने से द्योलीडाना के पास वितरण टैंक तक करीब एक किमी लाइन नहीं डाली जा सकी है। इस कारण योजना में पानी चलाना संभव नहीं हो पा रहा। कहा कसार देवी और डीना पानी क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों में भी पानी का संकट है। पानी की किल्लत से पर्यटकों, पर्यटन व्यवसायियों और स्थानी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने डीएम से डीनापानी क्षेत्र में कोसी पंपिंग योजना से पानी की आपूर्ति करने की मांग की। डीएम ने कहा कि वंचित क्षेत्रों में पेयजल सप्लाई प्रशासन की प्राथमिकता है। वह स्वयं क्षेत्र में जाकर स्थलीय निरीक्षण कर समस्या का समाधान किया जाएगा।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-

विजय आयुर्वेद क्लीनिक

पंचकर्म सेन्टर

निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभव:-

पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरूष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग

असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।

DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970

DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग

मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)

होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

पेज एक का शेष...

आखिर दिल्ली में कौन..पार्टी के भीतर ही सब कुछ ठीक नहीं है। इस साजिश की परतें यहीं खत्म नहीं होतीं। सूत्र बताते हैं कि इसके लिए बाकायदा फंड की व्यवस्था भी की जा रही है। फंड देने वालों में खनन माफिया और जमीन के बड़े कारोबारी शामिल हो सकते हैं-वे लोग जिनके हित मौजूदा सरकार की सख्ती से प्रभावित हुए हैं। एक तरफ मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा, दूसरी तरफ कारोबार पर लगी बंदिशों से छुटकारा पाने की चाह- यहीं से यह गठजोड़ जन्म लेता है।लेकिन शायद साजिशकर्ता यह भूल गए हैं कि उत्तराखंड का नेतृत्व किसी नौसिखिए के हाथ में नहीं है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी युवा जरूर हैं, लेकिन राजनीति की बारीकियों को समझने में पूरी तरह सक्षम हैं। जानकारों की मानें तो धामी इस चक्रव्यूह को बनने से पहले ही पहचान चुके हैं और उसे तोड़ने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। उनकी कार्यशैली और निर्णयों ने यह साफ कर दिया है कि वे दबाव की राजनीति से संचालित होने वाले नेता नहीं हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कई मौकों पर मुख्यमंत्री धामी की सार्वजनिक सराहना और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का उत्तराखंड दौरा, इन तमाम अटकलों पर विराम लगाने वाला संदेश माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शाह का दौरा सिर्फ कार्यक्रम भर नहीं था, बल्कि उन सभी चेहरों के लिए संकेत था,जो दिल्ली में बैठकर उत्तराखंड की राजनीति को अस्थिर करने का सपना देख रहे हैं। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री बदलने की चर्चाएं फिलहाल राजनीतिक अफवाहों, निजी महत्वाकांक्षाओं और आर्थिक स्वार्थों का मिश्रण अधिक लगती हैं। जमीनी सच्चाई यह है कि सरकार स्थिर है, नेतृत्व स्पष्ट है और केंद्र का भरोसा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ खड़ा है। ऐसे में दिल्ली में रची जा रही साजिशें चाहे जितनी भी परिपक्व क्यों न दिखें, पहाड़ की राजनीति उन्हें आसानी से स्वीकार करने के मूड में नहीं दिखती। यही कारण है कि आज सवाल केवल इतना नहीं है कि "दिल्ली में कौन साजिश रच रहा है?"असल सवाल यह है कि क्या उत्तराखंड अब ऐसी साजिशों का मैदान बनेगा, या राजनीतिक परिपक्वता उन्हें शुरू होने से पहले ही खत्म कर देगी?

गदरपुर के गदर में ...विधायक मदन कौशिक का एक साथ गदरपुर आना कई सवाल खड़े कर रहा है। वहीं लंबे समय से हाशिये पर रहे मदन कौशिक की इस चौकड़ी में मौजूदगी को उनकी राजनीतिक पुन: सक्रियता के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। अरविंद पांडे और मदन कौशिक दोनों ही पिछले चार वर्षों से पार्टी के भीतर अपेक्षाकृत शांत दौर में रहे हैं। लेकिन कुछ समय से श्री पांडे सुर्खियों में बने हुए हैं। अब ऐसे समय में वरिष्ठ नेताओं का उनके घर पहुंचना भाजपा के अंदर किसी नए संतुलन, संभावित राहत या आने वाले राजनीतिक घटनाक्रम की पटकथा की ओर इशारा कर रहा है। राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि यह मुलाकात महज शिष्टाचार भेंट नहीं, बल्कि संगठन और सत्ता के भीतर चल रही खींचतान को साधने की कोशिश हो सकती है।इस बीच दिल्ली में रची साजिश को लेकर प्रदेश की राजनीति में नेतृत्व परिवर्तन और अंदरूनी खेमेबंदी की चर्चाएं सामने आ चुकी हैं। अब उसी कड़ी में गदरपुर का यह आयोजन कई सवालों को और धार दे रहा हैख्र क्या दिल्ली में बनी रणनीति जमीन पर उतारी जा रही है? क्या अरविंद पांडे को लेकर पार्टी के भीतर नया रुख तय हो रहा है? या फिर यह मुलाकात आने वाले बड़े राजनीतिक फैसलों से पहले शक्ति प्रदर्शन भर है? भले ही यह खिचड़ी कार्यक्रम कुछ समय का हो , लेकिन इसके राजनीतिक मायने कहीं गहरे बताए जा रहे हैं। अब सबकी निगाहें इसी पर टिकी हैं कि गदरपुर की इस खिचड़ी से उत्तराखंड की राजनीति को आखिर कौन-सा नया स्वाद मिलने वाला है।

मेरा सिक्का ही खोटा...की इस भावुक अपील ने सभी का दिल जीत लिया। विधायक बेहड़ द्वारा अपने आवास पर बुलाई गई पत्रकार वार्ता में वातावरण काफी भावुक बना रहा। श्री बेहड़ ने भावुक होकर कहा कि पूरे मामले में उनका बेटा ही खोटा सिक्का निकला। उन्होंने बताया कि पुत्र सौरभ ने ही अपने पारिवारिक मामलों के चलते स्वयं पर हमले का षड़यंत्र रचकर उसे अंजाम दिया। जिसके बाद उनके समर्थकों के साथ ही कई राजनैतिक, सामाजिक, व्यापारिक के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने घटना पर रोष प्रकट कर उनका साथ दिया। श्री बेहड़ ने बताया कि मामले पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन संदिग्ध युवकों को पूछताछ के लिए अपनी हिरासत में लिया गया था। जिनसे की गई पूछताछ के बाद यह सामने आया कि पूरा षड़यंत्र पुत्र सौरभ द्वारा ही रचा गया था। यह जानकर उन्हें व उनके परिवार को काफी ठेस पहुंची। उन्होंने बताया कि सौरभ ने जो भी किया अच्छा नहीं किया। इससे समाज में उनके परिवार की प्रतिष्ठा को काफी चोट पहुंची है। इसके लिए वह पुत्र सौरभ बेहड़ को कभी भी माफ नहीं करेंगे। श्री बेहड़ ने कहा कि वह सौरभ से सभी पारिवारिक सम्बंध भी विच्छेद करते हैं। अपने आंसुओं को रोकते हुए श्री बेहड़ ने कहा कि वह इस मामले में उन्हें समर्थन देने आये कांग्रेस, भाजपा सहित सभी राजनैतिक दलों के नेताओ ,कार्यकर्ताओं के साथ ही सभी सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक संगठनों के लोगों से हाथ जोड़कर माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि बुधवार की रात्रि हमले के आरोपी इन्दर के परिजनों ने भी उनसे मुलाकात की थी। जिनसे खुलकर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि इस मामले में उनके पुत्र गौरव बेहड़ ने पुलिस को मारपीट की तहरीर दी थी,अब उन्होंने पुलिस से कार्रवाई न करने के साथ ही मामले में जिन युवकों को पकड़ा है उन्हे माफ कर देने के लिये कहा है। श्री बेहड़ ने यह भी कहा कि सौरभ बेहड़ ने जो कृत्य किया है उसकी उसे सजा अवश्य मिलनी चाहिए।

सौरभ बेहड़ पर ...हो गए। घायल अवस्था में सौरभ को अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां कांग्रेस और भाजपा के दिग्गजों समेत समर्थकों का भारी जमावड़ा लग गया। घटना के विरोध में तिलकराज बेहड़ के आवास पर आक्रोश बैठक बुलाई गई, जिसमें आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर उग्र आंदोलन और बाजार बंद करने तक की चेतावनी दे दी गई थी। मामला हाईप्रोफाइल होने के कारण एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने एसओजी और पुलिस की कई टीमें गठित कर जल्द खुलासे के निर्देश दिए थे। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने घटनास्थल से लेकर संदिग्धों के भागने के रास्तों तक कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जब पुलिस ने सर्विलांस और तकनीक की मदद से कड़ियों को जोड़ा, तो मामला पूरी तरह पलट गया। जांच में सामने आया कि सौरभ बेहड़ ने अपने करीबी दोस्त इंदर नारंग के साथ मिलकर खुद पर हमले का नाटक रचा था। इंदर नारंग ने सौरभ के कहने पर तीन अन्य युवकों को इस काम के लिए तैयार किया, जिन्होंने नासमझी में इस फर्जी घटना को अंजाम दे दिया। पुलिस के मुताबिक सौरभ अपने किसी पारिवारिक विवाद को सुलझाने और विरोधियों को सबक सिखाने के लिए सहानुभूति बटोरना चाहता था, जिसके लिए उसने यह ताना-बाना बुना। पुलिस ने इस फर्जी साजिश को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी घासमण्डी निवासी इंदर नारंग के अलावा वंश और ठाकुर नगर निवासी दीपक को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि साजिश में शामिल तीनों युवक पढ़ने वाले छात्र हैं जो इस हाईप्रोफाइल साजिश का मोहरा बन गए। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि आरोपियों से दो तमंचे और एक चाकू भी बरामद किया गया है। एसएसपी के मुताबिक पूछताछ में इंदर नारंग ने खुलासा किया कि 18 जनवरी को सौरभ बेहड़ ने उसे अपने घर बुलायां सौरभ ने खुद कहा कि वह पत्नी से चल रहे विवाद के कारण खुद को पिटवाना चाहता है। जिस पर इंदर नारंग ने इस साजिश में तीन और युवकों को शामिल करके पूरी योजना समझाई। पहचान छुपाने के लिए चेहरा ढकने और बाईक की नंबर प्लेट हटाने को कहा। घटना के समय इंदर नारंग अपनी बैगनार कार से हमलावरों के पीछे-पीछे चल रहा था, भीड़ अधिक होने पर स्थान बदलकर शिव शक्ति पीजी गेट के पास हमला करवाया गया। घटना के बाद आरोपियों को भगाने में भी इंदर ने भूमिका निभाई। उसने तीनों आरोपियों को बैगनार कार से सुरक्षित उनके इलाकों तक छोड़ा।

गांव में बदमाशों का ...यहीं नहीं रुकी, बदमाशों ने भाजपा के पूर्व मंडल कार्यकर्ता एवं पूर्व बीडीसी सदस्य शिव कुमार के घर को भी निशाना बनाया और वहां से मोटरसाइकिल संख्या यूके06 वीवी 0874 लूटकर फरार हो गए। इसके साथ ही गांव के दो अन्य घरों के ताले तोड़ने का भी प्रयास किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह धोनी व थाना प्रभारी प्रदीप मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए हैं। क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह धोनी ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए चार विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं जो आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लूटी गई संपत्ति बरामद कर ली जाएगी। इधर, लगातार हो रही लूट की घटनाओं से ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है और उन्होंने पुलिस से गश्त बढ़ाने व सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की मांग की है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा

स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित

सम्पादक- परमपाल सुखीजा

आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।

E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in

फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

'समर्पित भाजपा कार्यकर्ताओं' को जल्द मिल सकता है 'इनाम'

दायित्वधारियों की एक और सूची जारी कर सकती है सरकार,गोपन विभाग ने विभिन्न विभागों से मांगी खाली पदों की जानकारी

-अर्श-

देहरादून /रुद्रपुर। भारतीय जनता पार्टी एक ऐसा राजनीतिक दल है, जिसमें एक दरी बिछाने वाला साधारण कार्यकर्ता भी प्रधानमंत्री के पद तक पहुंच सकता है। भारतीय जनता पार्टी अपने समर्पित एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं को उनके उनकी मेहनत, लगन , समर्पण और पार्टी के प्रति किए गए त्याग का प्रतिफल समय-समय पर देती ही रहती है। भाजपा के इस मूल सूत्र को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आरंभ से ही आगे बढ़ाते चले आ रहे हैं। इस क्रम में उनके द्वारा अब तक राज्य के तकरीबन आधा सैकड़ा समर्पित एवं निष्ठावान भाजपा नेताओं को दायित्व अधिकारी नियुक्त करके पार्टी के प्रति उनके समर्पण और त्याग का पुरस्कार दिया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद से अब तक राज्य की धामी सरकार द्वारा दायित्वधारियों की चार सूची जारी की जा चुकी है। पहली सूची 27 सितंबर 2023 को जारी की गई थी, जिसमें 10 नेताओं को दायित्व सौंपा गया था। इसके बाद 14 दिसंबर 2023 को दायित्वधारियों की दूसरी सूची जारी हुई थी। जिसमें 11 नेताओं को दायित्व सौंपा गया। इसके बाद 1 अप्रैल 2025 को तीसरी सूची जारी की गई। जिसमें 20 नेताओं को दायित्व सौंपा गया। इसके बाद 4 अप्रैल 2025 को चौथी दायित्वधारियों की सूची जारी की गई, जिसके द्वारा 18 नेताओं को दायित्व से सौंपा गया था। चूँकि उत्तराखंड में अगले साल विधानसभा का चुनाव होना है। जिसमें अब महज एक साल का ही वक्त बचा है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि धामी सरकार आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जल्द ही दायित्वधारियों की एक और सूची जारी कर सकती है। जिसको लेकर उत्तराखंड शासन स्तर पर कसरत तेज हो गई है।दरअसल, गोपन विभाग की ओर से सभी विभागों को पत्र भेजकर विभागों में खाली अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य समेत अन्य पदों की जानकारी मांगी गई है। जिसके चलते यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं का जोश और समर्पण बरकरार रखने के लिए मुख्यमंत्री धामी द्वारा दायित्वधारियों की नई सूची जल्द ही जारी की जा सकती है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पहले भी कई बार इस बात को कह चुके हैं कि दायित्वधारियों की सूची तैयार है और हरी झंडी मिलते ही सूची को जारी कर दिया जाएगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के संकेत के अलावा गुजरे दिनों मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से विधायकों और वरिष्ठ भाजपा नेताओं की हुई मुलाकातें भी किसी बड़े राजनीतिक घटनाक्रम की ओर लगातार इशारा कर रही थी और अब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद सीएम धामी के साथ-साथ तमाम भाजपा विधायकों के दिल्ली से देहरादून लौटते ही गोपन विभाग की ओर से विभागों को पत्र भेजे जाने के बाद ये अटकलें तेज हो गई है कि उत्तराखंड में दायित्वधारियों की नई सूची जल्द ही जारी हो सकती है।

सरकार ने खंगलवाई रुद्रपुर के भाजपाइयों की कुंडली

रूद्रपुर। सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित दायित्व आवंटन में रुद्रपुर के वरिष्ठ एवं समर्पित भाजपा कार्यकर्ताओं का भी नंबर लग सकता है और इसके लिए सरकार की ओर से उत्तराखंड के प्रमुख भाजपा नेताओं के साथ-साथ रुद्रपुर के भी वरिष्ठ एवं निष्ठावान भाजपा कार्यकर्ताओं की कुंडली खंगलवा ली गई है तथा सत्ताइस के विधानसभा चुनाव के समीकरण एवं क्षेत्रीय संतुलन को दृष्टिगत रखते हुए रुद्रपुर के किसी भाजपा कार्यकर्ता को दायित्वधारियों की सूची में स्थान दिया जा सकता है।

मार्ग चौड़ीकरण को गरजी जेसीबी,कई अतिक्रमण ध्वस्त

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। काठगोदाम तिराहे से लेकर गौला पुल तक सड़क चौड़ीकरण और सौन्दर्यीकरण कार्य में एक बार फिर से तेजी आ गई है। प्रशासन की टीम ने 4 करोड़ की लागत से होने वाले सड़क चौड़ीकरण के कार्य की जद में आ रहे अतिक्रमण को जेसीबी मशीन की मदद से हटाने का काम शुरू कर दिया है। लाव लश्कर के साथ पहुंची प्रशासन की टीम को मौके पर देख स्थानीय लोग खुद भी अतिक्रमण हटाते हुए नजर आए। हालांकि प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को पूर्व में ही नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने को कहा था। कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने बताया कि काठगोदाम तिराहे से लेकर गौला पुल तक करीब 4 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले सड़क चौड़ीकरण

और सौंदर्याकरण कार्य को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाए हुए हैं। सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीनों की मदद से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान लोगों द्वारा सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया। इसके साथ ही बिजली के पोलों को भी शिफ्ट करने का कार्य किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन द्वारा पूर्व में अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था। लेकिन निर्धारित समय सीमा के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाए जाने के कारण अब प्रशासन ने स्वयं कार्रवाई शुरू कर दी है। सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के बाद इस मार्ग पर यातायात व्यवस्था सुचारू होगी और क्षेत्र की जनता के साथ ही पर्यटकों को जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। चौड़ीकरण के बाद सड़क का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा।

कारोबारी की कार में लगी आग

हल्द्वानी। रामपुर रोड स्थित एसकेएम स्कूल की गली में वैद्य से दवाई लेने आए कारोबारी की कार में आग लग गई। संकरी गली होने के चलते उन्होंने मुख्य मार्ग के पास ही वाहन पार्क किया था। गुरुवार की सुबह कोहली गार्डन निवासी कारोबारी गुरप्रीत कोहली रामपुर रोड में एसकेएम स्कूल वाली गली में वैद्य से दवाई लेने गए थे। सुबह करीब 10 बजे उन्होंने अपनी इनोवा

कार मुख्य सड़क के पास ही पार्क की थी और वह वैद्य से मिलने चले गए। आधे घंटे बाद जब वह वापस कार के पास पहुंचे तो कार जल रही थी। हालांकि आसपास के लोगों ने पहले ही कार में आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दे दी थी। जिसपर मौके पर पहुंचकर दमकल वाहन से कार में लगी आग पर टीम ने काबू पाया।

उप जिला अस्पताल में दो पक्षों ने पीआरडी जवान को पीटा, मारपीट का वीडियो वायरल

सितारगंज।उप जिला अस्पताल के गेट पर झगड़ा करने वाले उपद्रवियों ने सरकारी अस्पताल की सुरक्षा करने वाले पीआरडी जवान को पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मारपीट के दौरान अस्पताल परिसर में अफरा तफरी का माहौल बन गया हैं। गंभीर प्रकरण में अस्पताल के प्रभारी ने एक नाम यस सहित 12 लोगों के खिलाफ पुलिस को पीआरडी जवान से मारपीट और उपद्रव के मामले में रिपोर्ट दर्ज करने के लिए तहरीर दी है। बुधवार को सरकारी अस्पताल में ओपीडी और इमरजेंसी में डॉक्टर मरीज का उपचार कर रहे थे। दोपहर 2:00 के आसपास अस्पताल गेट के सामने 10 से 12 लोग आपस में विवाद और मारपीट करने लगे। उपद्रवी अस्पताल के भीतर घुसने का प्रयास करने लगे। गेट पर तैनात पीआरडी जमाल पूरन सिंह ने दोनों पक्षों के आरोपियों को रोकने का प्रयास कर गेट को बंद किया। लेकिन आरोपियों ने जबरदस्ती अस्पताल का गेट खोल दिया। इसके बाद आरोपियों ने पीआरडी जवान पूरन सिंह के हाथ से डंडा छीनकर एक दूसरे से मारपीट शुरू कर दी जिससे मौके पर स्थिति बिगड़ गई और अस्पताल परिसर में अफरा तफरी मच गई। पीआरडी जवान पूरन सिंह हॉस्पिटल में मारपीट कर रहे लोगों को रोकने के लिए बीच बचाव को पहुंचे, तब लगभग 12 लोगों ने उनके साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मारपीट में दोनों पक्षों के लोग भी चोटिल हुए हैं। जिनका उपचार अस्पताल परिसर में किया गया है। जिनमें एक का नाम लवदीप सिंह सामने आया हैं। जबकि दोनों पक्षों को चोटें लगी हैं। सरकारी अस्पताल के प्रभारी अधीक्षक ने मामले में पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। पुलिस सीसीटीवी कैमरो की मदद से आरोपियों की पहचान कर रही है।

पांच व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त

हल्द्वानी। नैनीताल में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। थाना बनभूलपुरा क्षेत्र में पंजीकृत आपराधिक मामलों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी नैनीताल ने पांच व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार आजाद नगर निवासी साजिद नबी पुत्र रहमत नबी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत तीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं लाइन नंबर 18 निवासी मो. उस्मान पुत्र इश्तियाक अहमद के खिलाफ भारतीय दंड संहिता तथा लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत तीन मुकदमे पंजीकृत पाए गए हैं। इसी क्रम

में लाइन नंबर 6, आजाद नगर निवासी मो. गुफरान पुत्र मो. हाजी तथा लाइन नंबर 10, आजाद नगर निवासी शाकिर हुसैन पुत्र साबिर हुसैन के विरुद्ध भी भारतीय दंड संहिता और लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत तीन-तीन मुकदमे दर्ज होने की पुष्टि हुई है।इसके अतिरिक्त लाइन नंबर 5, बनभूलपुरा निवासी मो. जहीर पुत्र खालिद हुसैन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट एक्ट, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम (यूएपीए) तथा आर्म्स एक्ट के अंतर्गत मुकदमे दर्ज पाए गए हैं। इन सभी मामलों को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल ने जनहित और सार्वजनिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से संबंधित व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने के आदेश जारी किए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।